Dr. Harisingh Gour

न्यूजलेटर

जुलाई 2024

NAAC A+
Accredited University

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (मध्यप्रदेश)

(केंद्रीय विश्वविद्यालय)

संरक्षक
प्रो. नीलिमा गुप्ता
कुलपति
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय,
सागर (म.प्र.)

सहयोग एवं परामर्श
डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय
कुलसचिव (प्र.)

संपादक
डॉ. विवेक जायसवाल
जनसंपर्क अधिकारी (प्र.)

संपादक सदस्य
डॉ. हेमंत पाटीदार
डॉ. आशुतोष
डॉ. शालिनी चोइथरानी
डॉ. संजय शर्मा
माधव चंद्रा

प्रो.बी के श्रीवास्तव को स्वामी विवेकानंद सारस्वत सम्मान

आर्ष परिषद सागर के तत्तावधान में कृष्णार्पण समारोह रवीन्द्र भवन सागर में आयोजित किया गया. कार्यक्रम में प्रो. बी. के. श्रीवास्तव, अध्यक्ष इतिहास विभाग, डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर को उनके द्वारा शिक्षा एवं साहित्य के क्षेत्र में किए गए विशिष्ट योगदान के लिए स्वामी विवेकानंद सारस्वत सम्मान से सम्मानित किया गया. सम्मान में शाल, श्रीफल मोमेंटो और सम्मान पत्र प्रदान किये गया. सम्मान पत्र प्रो राधवल्लभ त्रिपाठी जी पूर्व कुलपति केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली, अजय तिवारी कुलाधिपति स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय सागर, श्रीमती पारुल साहू पूर्व विधायक सुरखी तथा डॉ ऋषभ भारद्वाज अध्यक्ष आर्ष परिषद सागर ने प्रदान किया. प्रो. श्रीवास्तव की 64 पुस्तकें एवं 110 से अधिक शोध-पत्र प्रकाशित हो चुके है. प्रो श्रीवास्तव को सम्मान प्राप्त होने पर विश्वविद्यालय परिवार के प्रो. अम्बिका दत्त शर्मा, प्रो. नागेश दुबे, प्रो. अशोक अहिरवार, डॉ. संजय कुमार, डॉ. नौनिहाल गौतम, डॉ. किरण आर्य, डॉ. पंकज सिंह, डॉ. संजय बरोलिया, एवं डॉ. प्रीति अनिल खंदारे सहित कई शिक्षकों, शोधार्थियों एवं अन्य लोगों ने बधाई दी.

जनसंख्या अनुसंधान केंद्र, सागर में आयोजित हुआ विश्व जनसंख्या दिवस

विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के जनसंख्या अनुसंधान केंद्र द्वारा परिचर्चा का आयोजन किया गया. परिचर्चा में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. दिवाकर मिश्रा पूर्व संयुक्त संचालक, स्वास्थ्य सेवाएँ सागर संभाग ने कहा कि वैश्विक स्तर पर बढ़ती जनसंख्या तथा केवल कुछ देशो में तेजी से बढ़ती आबादी चिंता का विषय है. सन 2050 तक भारत सहित केवल आठ अन्य देशो में ही जनसंख्या की निरंतर वृद्धी होते रहने का अनुमान है. इस बढ़ती हुई जनसंख्या को श्रमशील और उत्पादक बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है. परिचर्चा के आरंभ में अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में जनसंख्या अनुसंधान केंद्र के मानद निदेशक प्रोफ़ेसर विनोद कुमार भारद्वाज ने कहा कि जनसंख्या की वैश्विक समस्याओं का निदान

स्थानीय स्तर पर किए जाने वाले प्रयासों से ही संभव है. विश्वविद्यालय स्तर पर इन प्रयासों की रूपरेखा तैयार कर शोध के माध्यम से इन्हें परिष्कृत किए जाने की आवश्यकता है. शोधार्थियों और विद्यार्थियों के लिए इस प्रकार की परिचर्चाओं में सहभागिता को उन्होने आवश्यक बताया. परिचर्चा में केंद्र की सहायक निदेशक डॉ. रीना बासु ने वैश्विक सतत विकास लक्ष्यों को पूर्ण करने में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया. विभिन्न सूचकांकों के माध्यम से इन लक्ष्यों की पूर्णता की निगरानी हेतु भारत में सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण के परिणामों पर भी उन्होने चर्चा की. इस परिचर्चा में विश्वविद्यालय स्थित स्वास्थ्य केंद्र के डॉ. अभिषेक जैन तथा डॉ. किरण माहेश्वरी द्वारा जनसंख्या के स्वास्थ्य आयामों के बारे में जागरूकता तथा बीमारियों की रोकथाम के बारे में विस्तार से बताया. जनसंख्या में महिलाओं की स्वास्थ्य स्थिति को चिंताजनक बताते हुए इसमें सुधार हेतु इस बारे में निरंतर संवाद और सम्मिलित प्रयासों को आवश्यक बताया.

विश्व जनसंख्या दिवस
11 जुलाई

विश्वविद्यालय के डीन फेकल्टी अफेयर, प्रोफ़ेसर अजीत जायसवाल ने जनसंख्या अनुसंधान केंद्र के इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि केंद्र के शोध से जनसंख्या विषय में नीति के साथ ही इस क्षेत्र में अंतर्विषयी शोध को भी बढ़ावा मिल सकता है. केंद्र द्वारा इस प्रकार के आयोजन निरंतर किए जाने का उन्होने स्वागत किया.

कार्यक्रम में जनसंख्या अनुसंधान केंद्र के डॉ. ज्योति तिवारी, डॉ. निखिलेश परचुरे, डॉ. निकलेश कुमार ने सभी आमंत्रित अतिथियों का स्वागत किया. कार्यक्रम में विभिन्न शैक्षणिक विभागों के फेकल्टी, शोधार्थी तथा आकाशवाणी सागर केंद्र के प्रतिनिधी भी उपस्थित रहे.

कार्यक्रम का संचालन डॉ. निखिलेश परचुरे ने किया तथा डॉ. ज्योति तिवारी ने सभी आमंत्रितों का इस परिचर्चा में सम्मिलित होने के लिए आभार व्यक्त किया.

शारीरिक शिक्षा एवं खेल में स्नातक डिग्री के आवेदन 22 जुलाई तक, 26 को होगी प्रवेश परीक्षा

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर छात्र/छात्रा खिलाड़ियों को खेल कूद एवं शारीरिक शिक्षा में उज्ज्वल भविष्य बनाने के लिए एवं केंद्रीय विवि सागर की डिग्री प्राप्त करने का सुनहरा मौक़ा है. शारीरिक शिक्षा विभाग डॉ. हरीसिंह गौर विवि सागर द्वारा बी.पी.ई.एस. 4 वर्षीय स्नातक पाठयक्रम में प्रवेश हेतु प्रक्रिया प्रारंभ है. 12वीं पास इच्छुक छात्र/छात्राएं दिनांक 22 जुलाई 2024 तक विश्वविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम ऑनलाइन फार्म भर सकते हैं. प्रवेश परीक्षा दिनांक 26 जुलाई 2024 होगी, जिसमें फ़िटनेस टेस्ट, गेम टेस्ट एवं मूल प्रमाण पत्रों की जाँच की जावेगी. उक्त कोर्स करने से छात्र/छात्रा खिलाड़ी विभिन्न क्षेत्रों में अपना भविष्य बना सकते है, जैसे - स्कूल में खेल शिक्षक एवं प्रशिक्षक, सेना में प्रशिक्षक, जिम ट्रेनर, पर्सनल ट्रेनर इसके अतिरिक्त यदि छात्र/छात्राएं हायर एजुकेशन में जाना चाहें तो एम.पी.एड, एम फ़िल, पी.एच.डी,

डी.लिट करके कॉलेज में स्पोर्ट्स अफ़ीसर, विवि में असेस्टेंट डायरेक्टर, असेस्टेंट प्रोफ़ेसर, ज़िला खेल अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी बन सकते है. उक्त पाठ्यक्रम का संचालन शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा सत्र 2023 से किया जा रहा है, वर्तमान में 29 विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम में अध्ययनरत हैं. विभाग में नियमित रूप से सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक कक्षाओं का संचालन होता है साथ ही विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों को आयोजित करने का अनुभव भी प्राप्त होता है.

डॉ. गौर विश्वविद्यालय का स्पेन के विश्वविद्यालयों से होगी अकादमिक साझेदारी, फैकल्टी एवं स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम भी होंगे

एआईयू की गवर्निंग काउंसिल की सदस्य कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने किया स्पेन के विश्वविद्यालयों का भ्रमण

Museo de Artes y Tradiciones Populares
UAM Universidad Autónoma de Madrid
Centro Cultural La Corrala
STUDY IN SPAIN

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर अकादमिक साझेदारी एवं सहयोगात्मक शोध की दिशा में नया कदम रखने जा रहा है. डॉ. गौर विश्वविद्यालय एवं स्पेन के विश्वविद्यालयों के बीच अकादमिक एवं शोध समझौते की दिशा में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के नेतृत्व में पहल की जा रही है. भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली के गवर्निंग काउंसिल ने भारतीय एवं स्पेनिश विश्वविद्यालयों के बीच संपर्क के उद्देश्य से स्पेन में 8 से 11 जुलाई 2024 तक आयोजित संगोष्ठी में भागीदारी की और स्पेन के बार्सिलोना, मैड्रिड एवं वल्लाडोलिड के पांच विश्वविद्यालयों का भ्रमण किया. इस संगोष्ठी में ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी, इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी कैटालुन्या, लेइडा यूनिवर्सिटी, विगो यूनिवर्सिटी, जेन यूनिवर्सिटी, सलामसा यूनिवर्सिटी, वैलूसिया यूनिवर्सिटी से अकादमिक एवं शोध साझेदारी, आपसी सहयोग, स्टूडेंट एंड फैकल्टी एक्सचेंज जैसे विषयों पर सार्थक चर्चा हुई. भारतीय विश्वविद्यालय संघ की प्रतिनिधि के रूप में गवर्निंग काउंसिल की सदस्य प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्पेन के ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी ऑफ बार्सिलोना, यूनिवर्सिटी ऑफ बार्सिलोना, आई ई यूनिवर्सिटी मैड्रिड, ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी ऑफ मैड्रिड, यूनिवर्सिटी ऑफ वल्लाडोलिड का भ्रमण कर वहां के अकादमिक, शोध एवं अन्य अकादमिक नीतियों की जानकारी लेते हुए चर्चा की और सत्र को संबोधित किया.

उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी, मैड्रिड में आयोजित 'शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीय करण: भारतीय परिप्रेक्ष्य' सत्र को पॉवर प्वाइंट के माध्यम से संबोधित करते हुए शिक्षा के अंतराष्ट्रीयकरण के तरीकों पर चर्चा की. उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में यह कदम आवश्यक है. उन्होंने विभिन्न स्तरों पर इसके क्रियान्वयन की रूपरेखा भी प्रस्तुत की.

उन्होंने कहा कि भारतीय छात्रों में विदेशी विश्वविद्यालयों के प्रति आकर्षण बढ़ रहा है. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में शिक्षा के अन्तरराष्ट्रीयकरण की आवश्यकता है.

अंतर्राष्ट्रीय करण हेतु यूजीसी के 2021 एवं 2023 की गाइडलान का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत के विश्वविद्यालयों के केंद्रों की विदेशों में एवं विदेशी विश्वविद्यालयों के केंद्रों की स्थापना भारत में हो. उन्होंने ट्विनिंग प्रोग्राम, ज्वाइंट डिग्री प्रोग्राम, डुअल डिग्री प्रोग्राम पर चर्चा की. उन्होंने भारत में चल रहे डीएसटी, यूजीसी, आईएनएसए द्वारा प्रायोजित योजनाओं की भी चर्चा की. उन्होंने भारत में विदेशी छात्रों के आकर्षण के उपायों को भी बताया.

शिक्षा के अन्तरराष्ट्रीयकरण में उचित पाठ्यक्रमों, शोध एवं पुरा छात्रों की महती भूमिका को बताते हुए उन्होंने कहा कि डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय अकादमिक साझेदारी, शोध एवं पाठ्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण की दिशा में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा. उनकी स्पेन यात्रा के अनुभवों को शीघ्र की अमल में लाते हुए विश्वविद्यालय के इंटरनेशनल सेल के माध्यम से स्पेन के विश्वविद्यालयों के

साथ पाठ्यक्रमों के संचालन एवं शोध में आपसी सहयोग स्थापित किया जाएगा. विश्वविद्यालय के अंग्रेजी एवं अन्य यूरोपीय भाषा विभाग में शीघ्र ही स्पेनिश भाषा में पाठ्यक्रम प्रारंभ किये जायेंगे. इच्छुक छात्र-छात्राएं इंटरनेशनल सेल में संपर्क कर सकते हैं.

Universidad de La Rioja

हरित उत्सव रानी लक्ष्मीबाई कन्या छात्रावास में हर्षोल्लासपूर्ण वृक्षारोपण अभियान

रानी लक्ष्मीबाई कन्या छात्रावास, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय) सागर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम में कन्या छात्रावास की मुख्य प्रतिपालिका डॉ. रश्मी सिंह, रानी लक्ष्मी बाई कन्या छात्रावास की वार्डन डॉ. वंदना राजोरिया, मेस एवं रखरखाव की वार्डन सुश्री शिवानी खरे, निवेदिता गर्ल्स हॉस्टल की वार्डन डॉ. सुषमा यादव, सरस्वती और निवेदिता हॉस्टल के अन्य प्रतिपलिकाओं, हॉस्टल स्टाफ और रहवासी छात्राओं ने भाग लिया.

उत्सव जैसे माहौल में वृक्षारोपण कार्यक्रम में पूरे स्टाफ, रहवासी छात्राओं और छात्रावास प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. वृक्षारोपण में आम, जामुन और अमरूद जैसे विभिन्न प्रकार के फलों के पेड़ों के साथ-साथ पारिजात और गुलमोहर जैसे फूलों के पौधे तथा नीम और अशोक जैसे वायु-शुद्ध करने वाले पौधे शामिल थे, जिससे छात्रावास परिसर के भीतर एक और हरे-भरे बगीचे का निर्माण हुआ.

प्रतिभागियों ने पूरे दिल से पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए, नए लगाए गए पेड़ों के पोषण और संरक्षण का संकल्प लिया. इस कार्यक्रम ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति विश्वविद्यालय के समर्पण और भावी पीढ़ियों के लिए एक हरा-भरा परिसर तैयार करने के सामूहिक प्रयास को रेखांकित किया.

दर्शनशास्त्र विभाग में स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों का स्वागत एवं विदाई समारोह आयोजित किया गया

डॉ.हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के दर्शनशास्त्र विभाग में स्नातकोत्तर कक्षाओं के नये विद्यार्थियों का स्वागत एवं पुराने विद्यार्थियों का विदाई समारोह आयोजित किया गया. कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती की वन्दना और डॉ. हरीसिंह गौर के चित्र पर माल्यार्पण से हुआ. डॉ. सत्यनारायण देवलिया ने विभाग के वरिष्ठतम आचार्य और भारतीय ज्ञान के अध्येता प्रो. अम्बिकादत्त शर्मा का स्वागत पुष्पगुच्छ देकर किया. विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार तिवारी का स्वागत डॉ. नरेन्द्र कुमार बौद्ध द्वारा किया गया. नये विद्यार्थियों का स्वागत विभाग के वरिष्ठतम आचार्य प्रो. अम्बिकादत्त शर्मा के कर कमलों द्वारा पुष्पगुच्छ देकर किया गया. कार्यक्रम के संचालक एवं विभागाध्यक्ष ने दर्शन के अध्ययन-अध्यापन के कौशल की आवश्यकता पर प्रकाश डाला और कहा कि दर्शन की सीधी भूमिका हमारी समझ को बढ़ाने में है. प्रो. अम्बिकादत्त शर्मा ने दर्शन विभाग के महत्त्व पर

प्रकाश डालते हुए कहा कि 18 जुलाई 1946 को विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ ही इस विभाग की स्थापना हुई थी. उन्होंने कहा कि डॉ. हरीसिंह गौर जी की विश्वव्ख्यात पुस्तक 'बौद्ध धर्म की आत्मा' इस बात का प्रमाण है कि उनके मन में दर्शनशास्त्र विभाग के प्रति विशेष आग्रह था. विभाग के स्नातकोत्तर एवं शोध-छात्रों ने एक-दूसरे को अपना परिचय देते हुए उनके भविष्य के निर्माण में विभाग के योगदान की चर्चा की. इस कार्यक्रम के अन्त में स्नातकोत्तर अन्तिम वर्ष के छात्रों को स्मृति-चिन्ह प्रदान कर उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामना की गयी. कार्यक्रम का समापन धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ. इस कार्यक्रम के आयोजन में अक्षरा सिंघई, विभा पाण्डेय, गौरव कुमार और मयंक विनायक राय ने सक्रिय योगदान दिया.

मानव विज्ञान विभाग ने मनाया 68 वाँ स्थापना दिवस

किसी भी विश्वविद्यालय की पहचान उसके शैक्षणिक स्तर एवं गुणवत्ता शोध से की जाती है। उक्त उद्गार मुख्य अतिथि प्रो.ममता पटैल, प्रभारी डीन व्यवहारिक अध्ययनशाला, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर ने मानवविज्ञान विभाग के 68 वें स्थापना दिवस के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुये व्यक्त किया. उन्होंने कहा कि सागर विश्वविद्यालय का मानवविज्ञान विभाग मध्यभारत का एक मात्र ऐसा अद्वितीय विभाग है जिसने अपनी पहचान शैक्षणिक एवं शोध में अन्तराष्ट्रीय स्तर पर बनाई है. मानवविज्ञान विभाग के मानवविज्ञानी शोध के क्षेत्र के बेहतर प्रयास कर रहे हैं. विभाग की गतिविधियों की सराहना करते हुये उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय निश्चित रूप से शोध से आने वाले परिणाम मानव के विकास के क्षेत्र में नये आयाम जोड़ेंगे.

DEPARTMENT OF ANTHROPOLOGY
Dr. H.S. Gour Vishwavidyalaya, Sagar (M.P.) India
Welcome You
On
15 JULY
FOUNDATION DAY
REDMI NOTE 9 PRO
A.K. 'ASHWIN'
15/07/2023

स्थापना दिवस समारोह के मुख्य वक्ता प्रो. बी. के. श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष इतिहास विभाग, ने कहा कि पूर्व मानव को मैं पहला दार्शनिक मानता हूँ. अच्छा स्वास्थ्य एक उपहार की तरह है जो हम सभी को जीवित रखता है. कृतज्ञता ही संपन्नता है. हम सभी को एक दूसरे के प्रति कृतज्ञ रहना चाहिये. हम सभी को नई चीजो से घबराना नही चाहिये. हम पूर्वजों से जो लेकर आये हैं उसे एक धरोहर की तरह आने वाली पीढी को देना है. वक्ता प्रो. अनिल कुमार जैन, अधिष्ठाता शैक्षणिक अध्ययनशाला, ने कहा कि सामाजिक व्यवहार के तीन प्रकार हैं. उन्होंने मनोविज्ञान, व्यवहार एवं वैश्विक-परिवेश विषय पर प्रकाश डाला. उन्होंने कहा कि प्रगति के लिए देश तक सीमित नहीं रहना है. शोध कार्यो को दुनिया तक पहुँचाना चाहिए. व्यक्ति को अपने अंदर नम्रता रखकर आगे बढ़ते रहना चाहिये.

कार्यक्रम के प्रारंभ में प्रो. अजीत जायसवाल, विभागाध्यक्ष मानवविज्ञान विभाग ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला. उन्होंने कहा कि मानव विज्ञानी सिर्फ एक ही दिशा में शोध नहीं करता अपितु यह सारे परिप्रेक्ष्य को संबोधित करता है. हमारे विभाग का शैक्षणिक इतिहास बहुत सराहनीय रहा है. हमारे शोधार्थी विश्व पटल पर अपनी छवि बनाने में सक्षम रहे हैं. आज के समय में इस विषय के छात्रों के पास बहुतायत साधन और अवसर उपलब्ध हैं जिनका उपयोग करके इस विभाग को उच्च

स्थान देने में अपना सहयोग दे सकते हैं. पूर्व विभागध्यक्ष प्रो. के.के. एन. शर्मा ने धन्यवाद व्यक्त करते हुये कहा कि विभाग को स्थापित करने में विभाग के वरिष्ठ शिक्षकों को बहुत बडा योगदान है जिन्होंने आकादमिक इमानदारी से विभाग की नींव रखी जिसको आगे बढ़ाना शिक्षको एवं शोधार्थियो का नैतिक दायित्व है. अतः हमें अपना कार्य ईमानदारी से करना होगा.

DEPARTMENT OF ANTHROPOLOGY
Dr. H.S. Gour Vishwavidyalaya, Sagar (M.P.) India
Welcome You
On
15 JULY
FOUNDATION DAY
15/07/2024 11:46

द्वितीय सत्र में विभागीय परिसर में पौधारोपण किया गया. जिसमें मुख्य रूप से प्रो. राजेन्द्र यादव, डॉ. आशुतोष, डॉ. हिमांशु, डॉ. विवेक जायसवाल, डॉ. संजय शर्मा, डॉ. सोनिया कौशल, डॉ. विजया सुंदरी देवी, शोधार्थी, छात्र-छात्रा एवं विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे.

सौ फलदार वृक्षों को तैयार करने के संकल्प के साथ निवेदिता कन्या छात्रावास में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के निवेदिता कन्या छात्रावास, परिसर में हरित आवरण को बढ़ाने एवं छात्राओं के बीच पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया. वृक्षारोपण अभियान पृथ्वी के पर्यावरण के पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखने के लिए एक बड़ी पहल है. निवेदिता कन्या छात्रावास में डॉ रश्मि सिंह मुख्य प्रतिपालिका, डॉ. सुषमा यादव प्रतिपालिका, डॉ. स्वेता शर्मा प्रतिपालिका, मैस एवं रखर खाव, डॉ. वंदना राजौरिया प्रतिपालिका, रानी लक्ष्मी बाई छात्रावास एवं सभी कर्मचारियों ने इस नेक काम में सहभागिता. छात्रावास में रहने वाली सभी छात्राओं ने भी विभिन्न प्रकार के फलदार एवं छायादार पौधों सहित फूलों के पौधों को लगाने में सक्रिय रूप से सहभागिता की.

Shot on Y15
Vivo AI camera

Shot on Y15
Vivo AI camera
2024.07.15 12:16

हम सब डॉ. गौर के ऋणी, उनके सपनों के अनुरूप कार्य करने का लें संकल्प: कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

विश्वविद्यालय स्थापना दिवस: गौर समाधि स्थल पर पुष्पांजलि कार्यक्रम

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के स्थापना दिवस 18 जुलाई के अवसर पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. हरीसिंह गौर की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की. विशिष्ट अतिथि पूर्णिया विश्वविद्यालय, बिहार के कुलपति प्रो. आर. एन. यादव ने डॉ. गौर को नमन किया. विश्वविद्यालय स्थापना दिवस के अवसर पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने सभी को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए कहा कि डॉ. गौर द्वारा स्थापित इस विश्वविद्यालय की कीर्ति पताका फहराने के लिए हम सब संकल्पित होकर कार्य करें. महान स्वप्नदृष्टा डॉ. गौर ने वृहत्तर समाज के कल्याण के लिए इस विश्वविद्यालय की स्थापना की थी. वे सौभाग्यशाली हैं और ऋणी हैं जिनको यहाँ पढ़ने और कार्य करने का अवसर मिला है. इस दिवस पर यह संकल्प लें कि हम सब मिलकर डॉ. गौर के सपनों के अनुरूप इस विश्वविद्यालय के यश और कीर्ति में सतत वृद्धि के लिए कार्य करें. पुष्पांजलि कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की कुलानुशासक प्रो. चंदा बेन, प्रभारी कुलसचिव डॉ. एस. पी. उपाध्याय, सुरक्षा अधिकारी डॉ. राजेन्द्र यादव, प्रो. आशीष वर्मा, प्रो. डी. के. नेमा, प्रो. ए.पी. मिश्रा, प्रो. के. के. एन. शर्मा, प्रो. नवीन कानगो, प्रो. अजीत जायसवाल सहित कई सेवानिवृत्त शिक्षकों, शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने गौर समाधि पर पुष्प अर्पित कर उनको नमन किया.

वृक्षों से माँ जैसा स्नेह करें और उनकी सुरक्षा का भी पूरा ख्याल रखें- कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

विश्वविद्यालय स्थापना दिवस: 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान की शुरुआत

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के क्रम में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान की शुरुआत नैनो टेक्नोलॉजी भवन एवं कौटिल्य भवन परिसर से की गई. इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के नेतृत्व में वृक्षारोपण अभियान का शुभारम्भ हुआ. कुलपति प्रो. गुप्ता एवं विशिष्ट अतिथि प्रो. आर. एन. यादव ने वृक्षारोपण किया. कुलपति ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि सभी विद्यार्थी, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्य एक वृक्ष अपनी माँ के नाम अवश्य लगाएं और साथ ही उन वृक्षों से माँ जैसा स्नेह करें और उनकी सुरक्षा का भी पूरा ख्याल रखें. पर्यावरण सुरक्षा हम सभी का दायित्व है और यह तभी संभव हैं जब हम वृक्षों का संरक्षण करेंगे. यदि हम उनकी रक्षा करेंगे तभी हम सबका अस्तित्व बना रहेगा. हमारा विश्वविद्यालय परिसर

हरियाली में समृद्ध है लेकिन हम सब मिलकर इसे और अधिक हरा-भरा और प्रदूषण रहित बनाएं. कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. डी. के नेमा ने बताया कि सम्पूर्ण विश्वविद्यालय परिसर को अधिक से अधिक हरा-भरा रखने के संकल्प के साथ यह अभियान निरंतर जारी रहेगा. इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारीगण, कर्मचारी, विद्यार्थी उपस्थित थे. राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने भी इस अभियान में हिस्सा लिया. कई विभागीय परिसरों में वृक्षारोपण किया गया.

कौटिल्य भवन
KAUTILYA BHAWAN

स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में दर्शनशास्त्र एवं शारीरिक शिक्षा विभाग में किया गया वृक्षारोपण

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय स्थापना दिवस के उपलक्ष्य पर दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा विभागीय परिसर में वृक्षारोपण किया गया. इस कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार तिवारी सहित विभाग के शिक्षक, छात्र और कर्मचारियों ने भाग लिया. वृक्षारोपण गवेषणा संस्थान के अध्यक्ष श्री मनोहरलाल चौरसिया के सौजन्य से किया गया. शारीरिक शिक्षा विभाग में भी 'एक पेड़ माँ के नाम' के अन्तर्गत

वृक्षारोपण किया गया, जिसमें विभाग के सभी अधिकारी कर्मचारियों ने पौधा रोपण किया. कार्यक्रम के अन्त में सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार जताया गया. विदित हो कि पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के आवाह्न 'एक पेड़ माँ के नाम' के अन्तर्गत विश्वविद्यालय में लगातार वृक्षारोपण किया जा रहा है.

ज्ञान समृद्धि के लिए निरंतर शोध आवश्यक - कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के इनोवेशन एंड समर स्किल कार्यक्रम के तत्वाधान में सामान्य एवं व्यावहारिक भूगोल विभाग द्वारा दिनांक 07 से 13 अगस्त 2024 के मध्य 'रिसर्च इन अप्लाइड एंड सोशल साइंस एप्रोचेस, एक्सपीरियंस एंड लर्निंग' विषय पर एक ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है. इस ऑनलाइन कार्यशाला के पोस्टर का विमोचन विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा संपन्न हुआ.

आयोजित बैठक में विश्वविद्यालय द्वारा जून 2024 में आयोजित किए गए समर स्किल कार्यक्रमों पर समिति द्वारा तैयार किये गये प्रगति प्रतिवेदन की समीक्षा माननीय कुलपति द्वारा की गई. विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इन समर स्किल कार्यक्रमों में देश के पूर्वोत्तर राज्यों-केरल, तमिलनाडू एवं कर्नाटक सहित देश के 11 राज्यों के सहभागियों ने भाग लिया. विश्वविद्यालय ने 4 कौशल कार्यक्रमों-रिमोट सेंसिंग एवं जी.आई.एस., एम.एस. ऑफिस एवं वीडियो एडिटिंग, फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी और संगीत में बांसुरी वादन के कौशल कोर्स आयोजित किए थे.

कुलपति महोदया ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किये गये इन समर स्किल कार्यक्रमों की कार्य प्रगति की सराहना करते हुए कहा कि समर स्किल के अंतर्गत आगामी कार्यक्रमों में कुछ और कौशल कोर्स भी जोड़े जाएंगे, जिनमें स्वास्थ्य एवं योग, संगीत में वायलिन, गायन एवं नृत्य, जैविक कृषि एवं बागवानी के साथ-साथ अकादमिक क्षेत्र के कोर्स सम्मिलित किए जाएंगे. उन्होंने कहा कि हमारी मंशा है कि विश्वविद्यालय युवाओं के भविष्य निर्माण एवं रोजगार अवसरों की उपलब्धता के लिए रोजगार केंद्रित प्रशिक्षणों एवं पाठ्यक्रमों को संचालित करते हुए सामाजिक विकास में अपनी सुदृढ भूमिका का निर्वहन करे.

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा शीघ्र ही युवाओं में देश की उच्च स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों को ध्यान में रखते हुये उनके क्षमता विकास के लिए एक ऑनलाइन कार्यक्रम 'ज्ञान सागर' आरम्भ किया जा रहा है. इस 'ज्ञान सागर' कार्यक्रम में प्रतियोगी परीक्षा मार्गदर्शन, कंटेंट राइटिंग एवं साक्षात्कार जैसे विषयों पर ऑनलाइन लाइव चर्चा आयोजित की जाएगी. इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों में व्यक्तित्व विकास, संवाद कौशल एवं साक्षात्कार कौशल संवर्धन के लिए विश्वविद्यालय अपने नियमित विद्यार्थियों के लिए भी एक कार्यक्रम 'स्पार्क्' आरम्भ किया जा रहा है.

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने आगामी ऑनलाइन वर्कशॉप के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि शोध कार्य करते समय यह जरूरी है कि शोध पद्धतियों के बारे में शोधार्थियों को पूर्ण ज्ञान हो. साथ की उन्होंने कहा कि यह एक उद्देश्यपूर्ण बौद्धिक प्रक्रिया है, जिसके द्वारा किसी सैद्धांतिक अथवा व्यावहारिक समस्या का समाधान किया जाता है तथा जिसकी समझ ज्ञान समृद्धि के लिये अतिआवश्यक है.

बैठक में सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए इनोवेशन एवं समर स्किल प्रोग्राम के अध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार भारद्वाज ने हाल ही में आयोजित समर स्किल कार्यक्रम की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की एवं आगामी वर्कशॉप के बारे में बताया कि इस साप्ताहिक कार्यशाला में करीब 15 रिसोर्स पर्सन ने अपने व्याख्यानों की स्वीकृति प्रदान की है, जिससे विश्वविद्यालय के शोधार्थियों एवं बाहरी प्रतिभागियों को शोध की बारीकियों के बारे में जानने का मौका मिलेगा तथा उन्हें उनकी शोध संबंधी समस्याओं के निदान हेतु अतिथि विशेषज्ञों से विचार विमर्श करने का भी मौका मिलेगा. प्रो. भारद्वाज ने आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थी एवं विश्वविद्यालय हित में उनके क्रियान्वयन की प्रक्रिया प्रस्तुत की. उन्होंने बताया कि भूगोल विभाग द्वारा आयोजित की जा रही इस रिसर्च वर्कशॉप के लिये रजिस्ट्रेशन आरंभ किये जा सकते है. इस रिसर्च वर्कशॉप में शिक्षक, शोधार्थी एवं स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थी भाग ले सकते हैं.

कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. हेमंत पाटीदार एवं डॉ. सतीश सी. ने बताया कि सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी में शोध करते समय शोधार्थियों के लिए जरूरी है कि वे सही अनुसंधान संरचना का निर्माण करें एवं शोध की कई बारीकियों को जैसे शोध उद्देश्य, परिकल्पना निर्माण एवं परीक्षण प्रतिचयन की विधियां एवं प्रकार, मात्रात्मक एवं गुणात्मक तकनीकों के बारे सरलता एवं सहजता से सीखें, जो कि एक बेहतर अनुसंधान के लिए जरूरी है.

इस बैठक में प्रो. नवीन कांगो, निदेशक, अकादमिक मामले, प्रो. पंकज तिवारी, डॉ. विवेक बी. साठे, डॉ. राकेश सोनी, डॉ. विवेक जायसवाल, डॉ. अभिषेक बंसल, डॉ. रूपेन्द्र चौरसिया एवं डॉ. सुमन पटेल आदि भी उपस्थित रहे.

शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए शुरू होगी स्पेनिश भाषा की पढ़ाई

स्पेन के यूरोपिया विश्वविद्यालय से हुई अकादमिक एवं शोध साझेदारी पर सार्थक चर्चा

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में शीघ्र ही स्पेनिश भाषा की पढ़ाई प्रारम्भ होगी. विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की अध्यक्षता में मैड्रिड स्थित यूरोपिया विश्वविद्यालय से हुई ऑनलाइन बैठक में स्पेनिश भाषा के ऑनलाइन प्रारंभिक पाठ्यक्रम शुरू करने को लेकर सार्थक चर्चा हुई. इस पाठ्यक्रम की अवधि तीन से छह महीने तक होगी जिसे विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय सेल और अंग्रेजी एवं अन्य यूरोपियन भाषा विभाग के संयुक्त प्रयास से संचालित किया

जाएगा. पाठ्यक्रम में विद्यार्थी एवं शिक्षक दोनों ही प्रवेश ले सकेंगे. शीघ्र ही पाठ्यक्रम से सम्बंधित विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध कराये जायेंगे. इसके अतिरिक्त यूजी, पीजी एवं पी-एचडी पाठ्यक्रमों को ट्विनिंग प्रोग्राम एवं ज्वाइंट प्रोग्राम के तहत संचालन पर भी चर्चा की गई जिसमें यूरोपिया विश्वविद्यालय ने अपनी सहमति दी है. इसके अलावा स्पेन के विश्वविद्यालयों से विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग, बायोलॉजिकल साइंस, अर्थ साइंस, फोरेंसिक साइंस जैसे कई विभागों के माध्यम से अकादमिक एवं शोध साझेदारी स्थापित की जायेगी.

विश्वविद्यालय के इंटरनेश्नल सेल की बैठक में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने हाल ही में संपन्न हुए स्पेन के अकादमिक भ्रमण से जुड़े अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण की दिशा में विश्वविद्यालय आगे बढ़ रहा है. उन्होंने बताया कि स्पेन के 18 से अधिक विश्वविद्यालय संपर्क में हैं और इंटरनेश्नल सेल के माध्यम से इन सभी विश्वविद्यालयों से चर्चा करते हुए अकादमिक एवं शोध साझेदारी के प्रयास किये जायेंगे. उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की कुलपति के रूप में उन्होंने हाल ही में नेपाल, ताइवान, जर्मनी के विश्वविद्यालयों का भी शैक्षणिक भ्रमण किया गया है. वहां के भी विश्वविद्यालयों से भी संपर्क स्थापित कर अकादमिक एवं शोध साझेदारी के प्रयास किये जायेंगे जिससे हमारे विद्यार्थियों को हम ज्यादा से ज्यादा लाभान्वित कर सकें और विदेशी विद्यार्थियों को भी हम अपने विश्वविद्यालय में अध्ययन के प्रति आकर्षित कर सकें.

गौरतलब है कि भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली के गवर्निंग काउंसिल ने भारतीय एवं स्पेनिश विश्वविद्यालयों के बीच संपर्क के उद्देश्य से स्पेन में 8 से 11 जुलाई 2024 तक आयोजित संगोष्ठी में भागीदारी की और स्पेन के विश्वविद्यालयों का भ्रमण किया. इस संगोष्ठी में गर्वानिंग काउंसिल की सदस्य कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए 'शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीय करण: भारतीय परिप्रेक्ष्य' सत्र के अंतर्गत अकादमिक, शोध एवं अन्य अकादमिक साझेदारी की संभावनाओं एवं नीतियों पर सत्र को संबोधित भी किया था.

बैठक में इंटरनेशनल सेल के चेयरमैन प्रो. हेरेल थॉमस, प्रो. बी. आई. गुरु, प्रो. यू. के. पाटिल, प्रो. ए. के. सिंह, प्रो. डी. सी. मेश्राम, डॉ. विवेक मालवीय, डॉ. पुष्पल घोष, डॉ. वंदना विनायक, उपकुलसचिव सतीश कुमार, मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल उपस्थित थे.

बायोटेक्नोलॉजी विभाग के शोधकर्ताओं ने विकसित किए आर्गेनिक नैनोपेस्टिसाइड

सब्जियों की फसलों की सुरक्षा के लिए हैं उपयोगी

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के बायोटेक्नोलॉजी विभाग के शोधकर्ताओं ने आलू और टमाटर सहित प्रमुख सब्जियों की फसलों को कवक और जीवाणु रोगों से बचाने के उद्देश्य से बायोडिग्रेडेबल (आर्गेनिक) नैनोपेस्टिसाइड विकसित किया है. इन नैनो कीटनाशकों के साथ किये गये परीक्षणों में अद्भुत परिणाम प्राप्त हुए हैं। इस कीटनाशक के संश्लेषण में टेरपिनोल लोडेड ज़ीन (प्रोटीन) नैनोकणों का उपयोग किया जाता है. ज़ीन नैनोकणों के भीतर टेरपिनोल का एनकैप्सुलेशन, सब्जी की फसल की सुरक्षा के लिए एक स्थायी समाधान देते हुए लंबे समय तक प्रभाव को सुनिश्चित करता है और पर्यावरण प्रदूषण को भी कम करता है.

बायोटेक्नोलॉजी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. चंद्रमा प्रकाश उपाध्याय के निर्देशन में पीएचडी शोधार्थी अभिषेक पाठक ने पर्यावरण को होने वाले नुकसान को कम करते हुए रोगजनक जीवाणुओं एवं कवकों को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने में नवीन अत्याधुनिक नैनो तकनीक का उपयोग किया जिसमें आशाजनक परिणाम मिले हैं. नैनो कीटनाशक की संश्लेषण की प्रक्रिया कठिन है लेकिन विभिन्न परीक्षणों और प्रयोगों के कारण वैज्ञानिक इस नैनो कीटनाशक के त्वरित संश्लेषण के लिए एक सरल और सस्ता फॉर्मूला प्राप्त कर सके जो कृषि क्षेत्र में उपयोग के लिए प्रभावी है. नैनो कीटनाशक को इस तरह डिज़ाइन किया गया है कि ज़ीन प्रोटीन पर लोड किए गए फेनोलिक कंपाउंड की धीमी गति से स्रवित प्रक्रिया अन्य जीवों और पर्यावरण को किसी भी नुकसान के बिना सब्जी की फसलों के दीर्घकालिक संरक्षण के लिए प्रभावी है. ऐसे पौधे जिन पर यह प्रयोग नहीं किया उनकी तुलना में आलू और टमाटर के पौधों में कम संक्रमण पाया गया. इसके अलावा, शोधकर्ताओं ने कृषि में नैनोपेस्टीसाइड तकनीक की प्रभावशीलता को प्रदर्शित करते हुए फसल की उपज में वृद्धि भी देखी.

DST-PURSE (I) Facility
Instrumentation Center

इस परियोजना के निदेशक डॉ. चंद्रमा प्रकाश उपाध्याय ने इस शोध के निष्कर्षों और महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह शोध टिकाऊ कृषि की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. हमारा लक्ष्य है कि हम

नैनो प्रौद्योगिकी के प्रयोग के माध्यम से किसानों को पारंपरिक खेती एवं पर्यावरण के अनुकूल विकल्प प्रदान सकें. इस प्रकार के कीटनाशक, फसलों के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखते हैं और इससे पर्यावरणीय नुकसान भी नहीं होगा. भारत सरकार भी लगातार कृषि की लागत को कम करके किसानों का लाभ बढ़ाने के लिए काफी प्रयास कर रही है. यह नैनो कीटनाशक इस लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है.

उन्होंने यह भी बताया कि किसान सब्जियों की फसलों में हानिकारक रोगजनकों को नियंत्रित करने के लिए सिंथेटिक रासायनिक कीटनाशकों का बड़े पैमाने पर उपयोग करते हैं. ये रसायन, मानव स्वास्थ्य और पारिस्थितिकी तंत्र दोनों के लिए खतरनाक हैं. विशेष रूप से किसानों को इन कीटनाशकों के दुष्प्रभावों का सामना करना पड़ता है, जो उपभोक्ताओं द्वारा भोजन के दुष्प्रभावों से कहीं अधिक होता है. मानव स्वास्थ्य पर सिंथेटिक कीटनाशकों के प्रतिकूल प्रभावों पर बहुत से शोध हुए हैं जिसमें कैंसर और तंत्रिका संबंधी विकार जैसी स्वास्थ्य समस्याएं शामिल हैं। ये रासायनिक कीटनाशक मिट्टी एवं जल प्रदूषण, पारिस्थितिक असंतुलन और जैव विविधता में बाधा पैदा करने वाले कारक के रूप में जाने जाते हैं.

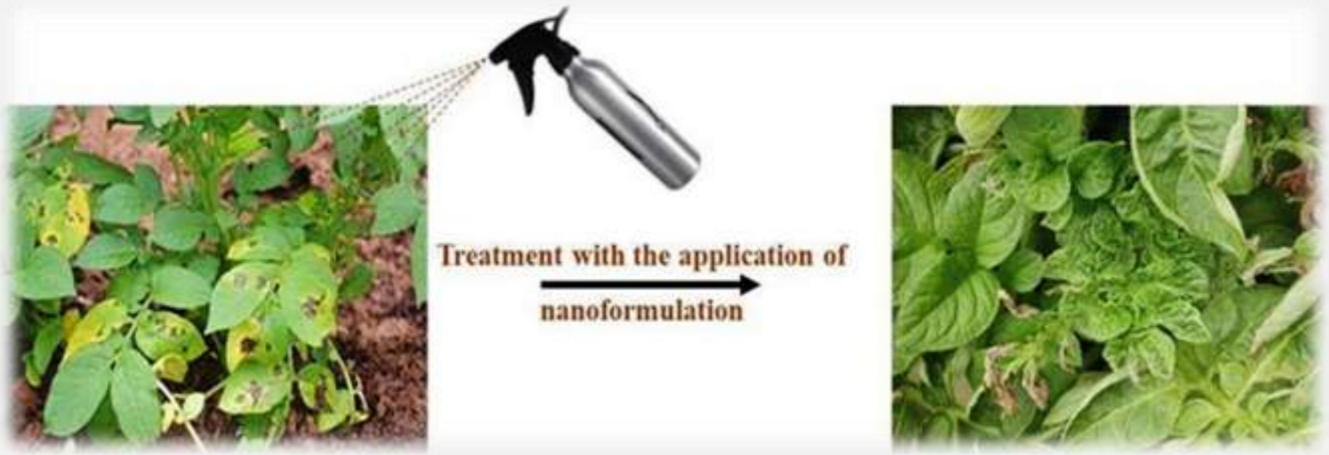

इन चुनौतियों को दृष्टिगत रखते हुए हमारी प्रयोगशाला ने जैविक नैनोकीटनाशक विकसित किया है जो खतरा पैदा करने वाले कीटनाशकों के विकल्प के रूप में हैं. अनुसंधान टीम नैनोकण फॉर्मूलेशन को परिष्कृत करने और फसलों और पर्यावरणीय स्थितियों की एक विस्तृत श्रृंखला में उनके अनुप्रयोग का पता लगाने की योजना बना रही है. हमारा अंतिम लक्ष्य उत्पादक कृषि को बढ़ावा देने के साथ ही किसानों को प्रभावी, टिकाऊ समाधानों के साथ सशक्त बनाना है.

विभाग द्वारा किये जा रहे इस उन्नत शोध पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा ने शिक्षकों एवं शोधार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि विभाग को हाल ही में डीबीटी, भारत सरकार द्वारा तीन करोड़ से अधिक की शोध परियोजना स्वीकृत की गई है. आने वाले समय में समाज के लिए लाभकारी ऐसे कई उन्नत शोध परिणाम प्राप्त होने की उम्मीद है.

विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन प्रांगण में किया वृक्षारोपण

डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के आचार्य शंकर भवन प्रांगण में वृक्षारोपण कार्यक्रम जिला आयुष अधिकारी डॉक्टर जोगेंद्र सिंह ठाकुर, उनकी टीम के सहयोग एवं कुलपति प्रो. नीलीमा गुप्ता के निर्देशन में संपन्न हुआ. सागर जिले में स्थित आयुष विभाग द्वारा वृक्षारोपण हेतु वृक्ष उपलब्ध कराये गए जिसमें कई प्रकार के फलदार एवं छायादार वृक्ष एवं सजावट के पेड़ भी सम्मिलित रहे. आचार्य शंकर भवन के प्रभारी प्रोफेसर उत्सव आनंद ने अपनी पूरी टीम के साथ वृक्षारोपण कार्यक्रम को संपन्न कराया. वृक्षारोपण के अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रॉक्टर प्रो. चंद्रा बेन सहित प्रो. दिवाकर राजपूत, प्रो.

आनंद त्रिपाठी, डॉ. वीरेंद्र सिंह मत्सेनिया, डॉ. पारुल सारस्वत, डॉ. हिमानी, डॉ. अनुभा जैन, डॉ. प्रगति, संदीप प्रजापति, संदीप जाट, नरेश विश्वकर्मा, सुनील कुमार सोनी, मनोज विश्वकर्मा तथा अनेक अधिकारी, कर्मचारी एवं शिक्षक उपस्थित रहे.

कुलपति ने किया हॉस्टल ब्रोशर का लोकार्पण

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के युवक छात्रावास के ब्रोशर का लोकार्पण मा. कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने किया. इस अवसर पर उन्होंने ब्रोशर का अवलोकन किया और उसमें उपलब्ध करायी गयी सूचनाओं के प्रति संतोष व्यक्त करते हुए प्रतिपालक मण्डल को शुभकामनायें प्रेषित की और कहा कि छात्रावास का यह ब्रोशर छात्रावास का आईना बनेगा ऐसा मुझे विश्वास है. इससे छात्रावासी विद्यार्थी छात्रावास सम्बन्धी सूचनाओं, नियमों से भलीभांति परिचित हो सकेंगे. साथ ही उन्होंने सभी प्रतिपालकों और छात्रावासी विद्यार्थियों का आह्वान किया कि विश्वविद्यालय छात्रवासों में पढ़ने-रहने और सीखने के लिए श्रेष्ठतम वातावरण निर्मित करने हेतु तत्पर रहें.' कुलपति महोदया ने पहली बार छात्रावास ब्रोशर के प्रकाशन के लिए मुख्य प्रतिपालक प्रो. रत्नेश दास को बधाई दिया और इसी तरह निरंतर रचनात्मक कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया.

इस अवसर पर कुलसाचिव डॉ. सत्य प्रकाश उपाध्याय, डॉ. राकेश सोनी, डॉ. बबलू राय, डॉ, गौतम प्रसाद, डॉ. आशुतोष, डॉ. अरविन्द गौतम, डॉ. वीरेंद्र मटसानिया, डॉ. नीरज उपाध्याय, डॉ. अभिज्ञान द्विवेदी और प्रवीण राठौर उपस्थित रहे.

चीफ वार्डन प्रो. रत्नेश दास ने नवप्रवेशित छात्रों को मिष्ठान खिलाकर छात्रावास में किया स्वागत

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में नये सत्र हेतु युवक छात्रावास आवंटन की प्रक्रिया विधिवत प्रारम्भ हो गयी है. चीफ वार्डन प्रो. रत्नेश दास ने माँ सरस्वती एवं कुलपिता डॉ. सर हरीसिंह गौर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया और नव प्रवेशित छात्रों को मिष्ठान खिलाकर कर छात्रावास में प्रवेश दिलाया. उन्होंने छात्रों के श्रेष्ठतम अकादमिक और छात्रावासी जीवन के लिए शुभकामनायें दीं. छात्रावास कार्यालय के कर्मचारियों ने भी प्रो. रत्नेश दास को भी मिष्ठान खिलाकर हर्ष व्यक्त किया. छात्रावास में शुरू हुई इस नयी और मंगलमयी परम्परा से देश के दूरवर्ती अंचलों से आये विद्यार्थियों ने प्रसन्नता व्यक्त की. सबसे पहले प्रवेश लेने वाले पश्चिमी बंगाल के दिव्यांग छात्र शरीफुल मण्डल ने कहा कि मुख्य प्रतिपालक ने जिस तरह से मिठाई खिलाकर मुझे कक्ष आवंटित किया इससे लग रहा है कि मैं अपने नये घर में आ गया हूँ. छात्रावास में शुरू की गयी इस मंगल परम्परा के प्रति नये छात्र और छात्रावास के कर्मचारी उत्साहित दिखे.

इस अवसर पर डॉ. आशुतोष, सुनील दुबे, सत्यनारायण सारथी, रामशरण सिंह, रामकिसुन, अनीस और नये विद्यार्थियों में नितेश कुमार, भुवनेश कुमार, दिव्यांशु सरोज, रितिक कुमार, यश राज आदि उपस्थित थे.

विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र में ‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान के तहत किया वृक्षारोपण

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विभाग में ‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य केंद्र परिसर में सभी अधिकारियों-कर्मचारियों और उनके परिवारों द्वारा पौधारोपण किया गया. इस दौरान आम, अमरूद, नीम, केला, मीठी नीम, गुड़हल, जामुन, बेल, हरसिंगार, गुलाब, बेला, चंपा, चमेली आदि विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए गए. मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिषेक जैन ने बताया कि हाल ही में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के निर्देशन में ‘एक पेड़ माँ के नाम’ अभियान के तहत वृक्षारोपण की शुरुआत की गई है. इस अभियान को जारी रखा जाएगा और प्रत्येक वर्ष मानसून अवधि में विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा पौधारोपण किया जाएगा. उन्होंने कहा कि वृक्ष लगाने के साथ ही इस अभियान के उद्देश्य के तहत वृक्षों का संरक्षण भी

किया जाएगा. कार्यक्रम में डॉ. किरण, डॉ. भूपेंद्र, अरुण, श्वेता तेजस, देवांशी जैन, विनोद, भगत, राजेंद्र, जयप्रकाश, कमलाबाई और स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विभाग के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे.

योग और ध्यान से मनुष्य अपने आत्मबल की पहचान करता है: कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

उच्च शिक्षा विभाग एवं मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में भारतीय ज्ञान परम्परा पर केंद्रित 'शिक्षा में आध्यात्मिकता' विषय पर महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, छतरपुर में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता ने मुख्य वक्तव्य दिया. इस अवसर पर महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, छतरपुर की कुलगुरु प्रो. शुभा तिवारी, मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी के अध्यक्ष डॉ. अशोक कड़ेल एवं उज्जैन विश्वविद्यालय के प्रो. धर्मेंद्र मेहता मंचासीन थे.

छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्याल
भारतीय ज्ञान परंपरा (राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रे
"शिक्षा में आध्य
ता" विषय
दो दिवसीय रा
शाला

कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता ने अपने उद्बोधन में शिक्षा में आध्यात्मिकता की आवश्यकता एवं महत्त्व को रेखांकित किया. उन्होंने कहा कि स्वस्थ मस्तिष्क के निर्माण के लिए शिक्षा में आध्यात्मिकता की आवश्यकता है. अध्यात्म एवं ध्यान एक-दूसरे के पूरक हैं. अध्यात्म हमें समाज से जोड़ना सिखाता है, तो वहीं ध्यान हमें एकाग्रता की ओर ले जाता है. छात्रों के चरित्र निर्माण में दोनों का बहुत महत्व है. उन्होंने ध्यान के प्रभाव से आत्मबोध की वैज्ञानिक विधि की भी विस्तृत विवेचना की. उन्होंने यह भी कहा कि योग और ध्यान से मनुष्य अपने आत्मबल की पहचान करता है. उसकी आंतरिक शक्ति ही उसे कार्य करने की प्रेरणा और ऊर्जा देती है. उन्होंने कहा कि प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति में ध्यान एवं योग पाठ्यचर्या का अहम् हिस्सा थे इसीलिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारतीय ज्ञान परंपरा को अत्यधिक महत्त्व दिया गया है.

छतरपुर विवि की कुलगुरु प्रो. शुभा तिवारी ने कहा कि हमारे विचारों और सोच का सकारात्मक एवं शुद्ध होना ही आध्यात्मिकता है. आध्यात्मिक व्यक्ति कभी बोर नहीं होता, क्योंकि वह स्वयं के साथ रहना जनता है. मनुष्य के विचार ही उसके सच्चे साथी हैं. भावी पीढ़ी को संस्कारवान बनाने में पारंपरिक ज्ञान उपयोगी है. हिंदी ग्रन्थ अकादमी भोपाल के संचालक डॉ. अशोक कड़ेल ने कहा कि शिक्षा में भारतीयता का समावेश नई शिक्षा नीति ने किया है. व्यक्ति की कुशलता और क्षमता को बाहर लाना ही आध्यात्मिकता है. कार्यक्रम में स्वागत भाषण प्रो. जेपी शाक्य ने दिया. संचालन प्रो. बीएस परमार एवं आभार प्रो. पुष्पा दुबे ने दिया. इस अवसर पर विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्राध्यापक, शोधार्थी, विद्यार्थी, विवि के अधिकारी उपस्थित थे.

महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय छतरपुर (म.प्र.)

कुलगुरु ने किया पुस्तक प्रदर्शनी-चित्र प्रदर्शनी का उदघाटन एवं वृक्षारोपण

कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कार्यशाला में हिंदी ग्रंथ अकादमी भोपाल के तत्त्वावधान में आयोजित पुस्तक प्रदर्शनी एवं विक्रय केंद्र तथा विश्वविद्यालय के चित्रकला विभाग द्वारा आयोजित चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया. इस अवसर पर उन्होंने वृक्षारोपण भी किया.

शैक्षिक संस्थानों और इंडस्ट्री के बीच मजबूत साझेदारी की शिक्षा में महत्त्वपूर्ण भूमिका - कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन की चौथे वर्षगाँठ के अवसर पर शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर ऑडिटोरियम में अखिल भारतीय शिक्षा समागम 2024 का आयोजन किया गया. उद्घाटन सत्र शिक्षा राज्य मंत्री और कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री जयंत चौधरी और शिक्षा एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास राज्य मंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार मौजूद की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ. उच्च शिक्षा विभाग के सचिव के. संजय मूर्ति ने स्वागत उद्बोधन दिया.

अखिल भारतीय शिक्षा समागम-2024
Akhil Bhartiya Shi
Breakaw
Importance of Sustainabili
Job Prospects, Industry
11.00 AM – 12.30 P
[Exhibition
अखिल भारतीय शिक्षा समागम-2024
PROF. M. JAGADESH KUMAR

डॉ. हरीसिंह विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने 'इम्पोर्टेंस ऑफ़ सस्टेनेबिलिटी इन एजुकेशन करीकुलम, जॉब प्रॉस्पेक्ट्स, इंडस्ट्री-एकेडेमिया कोलैबोरेशन' विषय पर आयोजित पैनल चर्चा में सहभागिता की. पैनल परिचर्चा में यूजीसी के चेयरमैन प्रो. एम जगदीश कुमार, आईआईटी दिल्ली के निदेशक प्रो. रंगन बनर्जी, महाराष्ट्र के उच्च शिक्षा सचिव विकास रस्तोगी, एआईसीटीई के चेयरमैन प्रो. टी. जी. सीताराम, कोल इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन श्री पी. एम. प्रसाद भी उपस्थित रहे. कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में यूजीसी ने करीकुलम फ्रेमवर्क प्रदान करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है. करीकुलम फ्रेमवर्क को अपनाने में और नीति के क्रियान्वयन में देश के सभी विश्वविद्यालयों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है जिसने शिक्षा को एक मजबूत आधार प्रदान किया है. विद्यार्थियों को रोजगारपरक पाठ्यक्रम उपलब्ध कराने में भी शिक्षा नीति के मानदंडों के अनुरूप कई नए पाठ्यक्रम भी प्रारम्भ किये गये हैं. स्किल कोर्स पर भी बहुत जोर दिया गया है जिससे विद्यार्थी अपनी पढ़ाई पूरी करने पर न केवल डिग्री लेकर जाएँ बल्कि उनके हाथों में हुनर भी हो जिससे वे स्वरोजगार को भी अपना सकें और आत्मनिर्भर बन सकें जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति का लक्ष्य भी है. उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के भीतर कौशल विकास करने में इंडस्ट्री और शैक्षणिक संस्थानों के बीच आपसी समन्वय और साझेदारी की महत्त्वपूर्ण भूमिका है. यह साझेदारी जितनी अधिक मजबूत होगी उतना ज्यादा लाभ विद्यार्थियों को मिलेगा. इस माध्यम से विद्यार्थी तो लाभान्वित होंगे ही साथ ही विश्वविद्यालय और इंडस्ट्री दोनों समृद्ध होंगे.

परिचर्चा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन एवं आगामी रणनीतियों पर विचार विमर्श में प्रतिभागियों ने कई प्रश्न भी पूछे जिनका समाधान किया गया. परिचर्चा सत्र में देश के कई विश्वविद्यालयों के कुलपति, शिक्षाविद्, शिक्षक, अधिकारी और छात्र भी सम्मिलित हुए.

------//------

प्रो. श्रीवास्तव को मिला स्वामी विवेकानंद सारस्वत सम्मान

कार्यक्रम मे प्रो. बीके श्रीवास्तव को सम्मानित किया गया।● नवदुनिया

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर:
आर्ष परिषद सागर के तत्तावधान में कृष्णार्पण समारोह सोमवार को रवीन्द्र भवन सागर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डा. हरीसिंह गौर विवि के इतिहास विभाग अध्यक्ष प्रो. बीके श्रीवास्तव को उनके द्वारा शिक्षा एवं साहित्य के क्षेत्र में किए गए विशिष्ट योगदान के लिए स्वामी विवेकानंद सारस्वत सम्मान से सम्मानित किया गया। सम्मान में शाल, श्रीफल मोमेंटो और सम्मान पत्र प्रदान किया गया। सम्मान पत्र प्रो राधवल्लभ त्रिपाठी पूर्व कुलपति केंद्रीय संस्कृत विश्विद्यालय नई दिल्ली, अजय तिवारी कुलाधिपति स्वामी विवेकानंद विश्विद्यालय सागर, पूर्व विधायक पारुल साहू व डा. ऋषभ भारद्वाज अध्यक्ष आर्ष परिषद सागर ने प्रदान किया। प्रो. श्रीवास्तव की 64 पुस्तकें एवं 110 से अधिक शोध-पत्र प्रकाशित हो चुके है। प्रो. श्रीवास्तव को सम्मान प्राप्त होने पर विश्वविद्यालय परिवार के प्रो. अम्बिका दत्त शर्मा, प्रो. नागेश दुबे, प्रो. अशोक अहिरवार, डा. संजय कुमार, डा. नौनिहाल गौतम ने हर्ष जताया है।

नीलिमा पिंपलापुरे ने कुलपति को भेंट की अपनी पुस्तक

सागर | समाजसेवी एवं लेखिका डॉ. नीलिमा पिंपलापुरे की पुस्तक "बुंदेलखंड- द हार्ट बीट ऑफ मध्य प्रदेश" में बुंदेलखंड की सांस्कृतिक विरासत एवं अमूल्य धरोहर के संबंध में बहुत ही सुंदर एवं सचित्र वर्णन किया है। उनके द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव किया था। नीलिमा ने डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. नीलिमा गुप्ता को अपनी पुस्तक भेंट की। पिंपलापुरे ने बताया कि इस पुस्तक को लिखने का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लोगों को बुंदेलखंड की संस्कृति एवं पर्यटन क्षेत्र से रूबरू कराना है। यह पुस्तक बुंदेलखंड के हर पहलू को जानने में मील का पत्थर साबित होगी।

विविः शारीरिक शिक्षा एवं खेल में स्नातक डिग्री के आवेदन 22 जुलाई तक, 26 को होगी प्रवेश परीक्षा

सागर। डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर छात्र/छात्रा खिलाड़ियों को खेल कूद एवं शारीरिक शिक्षा में उज्वल भविष्य बनाने के लिए एवं केंद्रीय वि वि सागर की डिग्री प्राप्त करने का सुनहरा मौक़ा है ।शारीरिक शिक्षा विभाग डॉ हरीसिंह गौर वि वि सागर द्वारा बी पी ई एस 4 वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु प्रक्रिया प्रारंभ है।12वीं पास इच्छुक छात्र/छात्राएं दिनांक 22 जुलाई 2024 तक विश्वविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम ऑनलाइन फार्म भर सकते हैं । प्रवेश परीक्षा दिनांक 26 जुलाई 2024 होगी, जिसमें फ़िटनेस टेस्ट, गेम टेस्ट एवं मूल प्रमाण पत्रों की जाँच की जावेगी । उक्त कोर्स करने से छात्र/छात्रा खिलाड़ी विभिन्न क्षेत्रों में अपना भविष्य बना सकते है, जैसे - स्कूल में खेल शिक्षक एवं प्रशिक्षक , सेना में प्रशिक्षक, जिम ट्रेनर, पर्सनल ट्रेनर इसके अतिरिक्त यदि छात्र/छात्राएं हायर एजुकेशन में जाना चाहें तो एम पी एड, एम फ़िल, पी एच डी, डी लिट करके कॉलेज में स्पोर्ट्स अफ़ीसर, वि वि में असेस्टेंट डायरेक्टर, असेस्टेंट प्रोफ़ेसर, ज़िला खेल अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी बन सकते है । उक्त पाठ्यक्रम का संचालन शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा सत्र 2023 से किया जा रहा है, वर्तमान में 29 विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम में अध्ययनरत हैं। विभाग में नियमित रूप से सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक कक्षाओं का संचालन होता है साथ ही विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों को आयोजित करने का अनुभव भी प्राप्त होता है।

डॉ. हरिसिंह गौर विवि में जनसंख्या दिवस पर हुई परिचर्चा

वर्ष-2050 तक भारत सहित आठ देशों में बढ़ेगी निरंतर जनसंख्या : डॉ. दिवाकर मिश्रा

सागर. विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के जनसंख्या अनुसंधान केंद्र में परिचर्चा का आयोजन हुआ। मुख्य वक्ता स्वास्थ्य सेवा पूर्व संयुक्त संचालक डॉ. दिवाकर मिश्रा ने कहा कि वैश्विक स्तर पर बढ़ती जनसंख्या एवं केवल कुछ देशों में तेजी से बढ़ती आबादी चिंता का विषय है। वर्ष-2050 तक भारत सहित केवल आठ अन्य देशों में ही जनसंख्या की निरंतर वृद्धि होते रहने का अनुमान है। इस बढ़ती हुई जनसंख्या को श्रमशील और उत्पादक बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है। जनसंख्या अनुसंधान केंद्र के मानद निदेशक प्रो. विनोद कुमार भारद्वाज ने कहा कि जनसंख्या की वैश्विक समस्याओं का निदान स्थानीय स्तर पर किए जाने वाले प्रयासों से ही संभव है। विश्वविद्यालय स्तर पर इन प्रयासों की रूपरेखा तैयार कर शोध के माध्यम से इन्हें परिष्कृत किए जाने की आवश्यकता है। विश्वविद्यालय स्थित स्वास्थ्य केंद्र के डॉ. अभिषेक जैन, डॉ. किरण माहेश्वरी एवं अजीत जायसवाल ने विचार रखे। इस मौके पर डॉ. ज्योति तिवारी, निखिलेश परचुरे एवं निकलेश कुमार ने सभी आमंत्रित अतिथियों का स्वागत किया।

पहल • स्पेन के विश्वविद्यालयों से होगी अकादमिक साझेदारी, शिक्षक एवं छात्र एक्सचेंज प्रोग्राम भी होंगे

विवि में स्पेनिश भाषा में पाठ्यक्रम शुरू होंगे: कुलपति

भास्कर संवाददाता | सागर

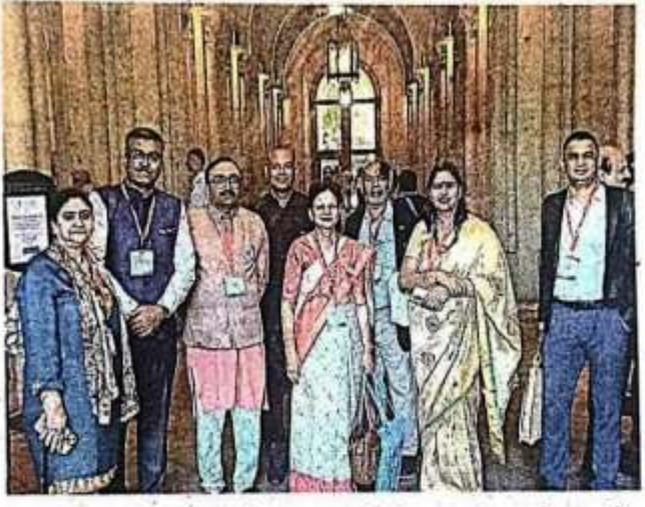

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर अकादमिक साझेदारी एवं सहयोगात्मक शोध की दिशा में नया कदम रखने जा रहा है। डॉ. गौर विश्वविद्यालय एवं स्पेन के विश्वविद्यालयों के बीच अकादमिक एवं शोध समझौते की दिशा में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के नेतृत्व में पहल की जा रही है।

भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली के गवर्निंग काउंसिल ने भारतीय एवं स्पेनिश विश्वविद्यालयों के बीच संपर्क के उद्देश्य से स्पेन में 8 से 11 जुलाई 2024 तक आयोजित संगोष्ठी में भागीदारी की और स्पेन के बार्सिलोना, मैड्रिड एवं वल्लाडोलिड के पांच विश्वविद्यालयों का भ्रमण किया। इस संगोष्ठी में ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी, इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी कैटालुन्या, लेइडा यूनिवर्सिटी, विगो यूनिवर्सिटी, जेन यूनिवर्सिटी, सलामसा यूनिवर्सिटी, वैलूसिया यूनिवर्सिटी से अकादमिक एवं शोध साझेदारी, आपसी सहयोग, स्टूडेंट एंड फैकल्टी एक्सचेंज जैसे विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। भारतीय विश्वविद्यालय संघ की प्रतिनिधि के रूप में गवर्निंग काउंसिल की सदस्य प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्पेन के ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी ऑफ बार्सिलोना, यूनिवर्सिटी ऑफ बार्सिलोना, आईई यूनिवर्सिटी मैड्रिड, ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी ऑफ मैड्रिड, यूनिवर्सिटी ऑफ वल्लाडोलिड का भ्रमण कर वहां के अकादमिक, शोध एवं अन्य अकादमिक नीतियों की जानकारी लेते हुए चर्चा की और सत्र को संबोधित किया।

उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी, मैड्रिड में आयोजित शिक्षा का अंतराष्ट्रीयकरण: भारतीय परिप्रेक्ष्य सत्र को पॉवर प्वाइंट के माध्यम से संबोधित करते हुए शिक्षा के अंतराष्ट्रीयकरण के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में यह कदम आवश्यक है। उन्होंने विभिन्न स्तरों पर इसके क्रियान्वयन की रूपरेखा भी प्रस्तुत की।

एआइयू की गवर्निंग काउंसिल की सदस्य कुलपति ने किया स्पेन के विश्वविद्यालयों का भ्रमण

नया कदम : स्पेन के विश्वविद्यालयों से होगी अकादमिक साझेदारी, फैकल्टी व स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम भी होंगे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय अकादमिक साझेदारी व सहयोगात्मक शोध की दिशा में नया कदम रखने जा रहा है। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के गवर्निंग काउंसिल ने भारतीय व स्पेनिश विश्वविद्यालयों के बीच संपर्क के उद्देश्य से स्पेन में 8 से 11 जुलाई तक आयोजित संगोष्ठी में भागीदारी की। उन्होंने स्पेन के बार्सिलोना, मैड्रिड व वल्लाडोलिड के पांच विश्वविद्यालयों का भ्रमण किया। इस संगोष्ठी मे ऑटोनोमस यूनिवर्सिटी, इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी कैटालुन्या, लेइडा यूनिवर्सिटी, विगो यूनिवर्सिटी, जेन यूनिवर्सिटी, सलामसा यूनिवर्सिटी, वैलूसिया यूनिवर्सिटी से अकादमिक व शोध साझेदारी, आपसी सहयोग, स्टूडेंट एंड फैकल्टी एक्सचेंज जैसे विषयों पर चर्चा हुई।

विश्वविद्यालय के अनुसार कुलपति की स्पेन यात्रा के अनुभवों को शीघ्र की अमल में लाते हुए विश्वविद्यालय के इंटरनेशनल सेल के माध्यम से स्पेन के विश्वविद्यालयों के साथ पाठ्यक्रमों के संचालन व शोध में आपसी सहयोग स्थापित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के अंग्रेजी व अन्य यूरोपीय भाषा विभाग में शीघ्र ही स्पेनिश भाषा में पाठ्यक्रम प्रारंभ किए जाएंगे।

मैड्रिड में दिया प्रजेंटेशन

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए ऑटोनोमस यूनिवर्सिटी, मैड्रिड मे आयोजित 'शिक्षा का अंतरराष्ट्रीयकरण, भारतीय परिप्रेक्ष्य' सत्र को पॉवर पाइंट के माध्यम से संबोधित करते हुए शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने भारतीय विद्यार्थियों में विदेशी विश्वविद्यालयों के प्रति आकर्षण बढ़ रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के आलोक में शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण की आवश्यकता है। भारत के विश्वविद्यालयों के केंद्रों की विदेशों मे और विदेशी विश्वविद्यालयों के केंद्रो की स्थापना भारत में हो। उन्होंने ट्विनिंग प्रोग्राम, जाइंट डिग्री प्रोग्राम, डुअल डिग्री प्रोग्राम व भारत मे चल रहे डीएसटी, यूजीसी, आइएनएसए द्वारा प्रायोजित योजनाओं की भी चर्चा की और भारत मे विदेशी छात्रों के आकर्षण के उपायों को भी बताया।

रानी लक्ष्मीबाई कन्या छात्रावास में हर्षोल्लास पूर्ण वृक्षारोपण किया गया

दबंग बुन्देलखण्ड

सागर। रानी लक्ष्मीबाई कन्या छात्रावास,डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय केंद्रीय विश्वविद्यालय सागर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कन्या छात्रावास की मुख्य प्रतिपालिका डॉ. रश्मि सिंह, रानी लक्ष्मी बाई कन्या छात्रावास की वार्डन डॉ. वंदना राजौरिया, मेस एवं रख रखाव की वार्डन सुश्री शिवानी खरे, निवेदिता गर्ल्स हॉस्टल की वार्डन डॉ. सुषमा यादव, सरस्वती और निवेदिता हॉस्टल के अन्य प्रतिपलिकाओं, हॉस्टल स्टाफ और रहवासी छात्राओं ने भाग लिया। उत्सव जैसे माहौल में वृक्षारोपण कार्यक्रम में पूरे स्टाफ, रहवासी छात्राओं और छात्रावास प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

वृक्षारोपण में आम, जामुन और अमरूद जैसे विभिन्न प्रकार के फलों के पेड़ों के साथ-साथ पारिजात और गुलमोहर जैसे फूलों के पौधे तथा नीम और अशोक जैसे वायु-शुद्ध करने वाले पौधे शामिल थे। जिससे छात्रावास परिसर के भीतर एक और हरे-भरे बगीचे का निर्माण हुआ। प्रतिभागियों ने पूरे दिल से पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए। नए लगाए गए पेड़ों के पोषण और संरक्षण का संकल्प लिया। इस कार्यक्रम ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति विश्वविद्यालय के समर्पण और भावी पीढ़ियों के लिए एक हरा-भरा परिसर तैयार करने के सामूहिक प्रयास को रेखांकित किया।

मानव विज्ञान विभाग के 68वें स्थापना दिवस पर कार्यक्रम

'विवि की पहचान उसके शैक्षणिक स्तर से होती है'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. किसी भी विश्वविद्यालय की पहचान उसके शैक्षणिक स्तर एवं गुणवत्ता शोध से की जाती है। सागर विश्वविद्यालय का मानव विज्ञान विभाग मध्यभारत का एक मात्र ऐसा अद्वितीय विभाग है, जिसने अपनी पहचान शैक्षणिक एवं शोध में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनाई है। मानव विज्ञान विभाग के मानव विज्ञानी शोध के क्षेत्र के बेहतर प्रयास कर रहे हैं। यह बात मुख्य अतिथि व्यवहारिक अध्ययनशाला प्रभारी डीन प्रो. ममता पटेल ने कही।

सोमवार को डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में मानव विज्ञान विभाग के 68वें स्थापना दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता प्रो. बीके श्रीवास्तव ने कहा कि पूर्व मानव को मैं पहला दार्शनिक मानता हूं। अच्छा स्वास्थ्य एक उपहार की तरह है जो हम सभी को जीवित रखता है। कृतज्ञता ही संपन्नता है। प्रो. अनिल कुमार जैन ने कहा कि सामाजिक व्यवहार के तीन प्रकार हैं। उन्होंने मनोविज्ञान, व्यवहार एवं वैश्विक-परिवेश विषय पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की शुरुआत में विभागाध्यक्ष प्रो. अजीत जायसवाल ने रूपरेखा पर प्रकाश डाला। पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. केके एन शर्मा ने आभार माना। द्वितीय सत्र में विभागीय परिसर में पौधारोपण किया गया, जिसमें मुख्य रूप से प्रो. राजेन्द्र यादव, डॉ. आशुतोष, डॉ. हिमांशु, डॉ. विवेक जायसवाल, डॉ. संजय शर्मा, डॉ. सोनिया कौशल, डॉ. विजया एवं सुंदरी देवी मौजूद रहीं।

FOUNDATION DAY
16/07/2

सागर. कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि एवं विद्यार्थी।

क्यूआर कोड स्कैन कर बताएं अपनी समस्या...

दर्शनशास्त्र विभाग में स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों का स्वागत एवं विदाई समारोह आयोजित

सत्ता सुधार ■ सागर

डॉ.हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के दर्शनशास्त्र विभाग में स्नातकोत्तर कक्षाओं के नये विद्यार्थियों का स्वागत एवं पुराने विद्यार्थियों का विदाई समारोह आयोजित किया गया।कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती की वन्दना और डॉ. हरीसिंह गौर के चित्र पर माल्यार्पण से हुआ।डॉ. सत्यनारायण देवलिया ने विभाग के वरिष्ठतम आचार्य और भारतीय ज्ञान के अध्येता प्रो. अम्बिकादत्त शर्मा का स्वागत पुष्पगुच्छ देकर किया। विभागाध्यक्ष डॉ0 अनिल कुमार तिवारी का स्वागत डॉ0 नरेन्द्र कुमार बौद्ध द्वारा किया गया। नये विद्यार्थियों का स्वागत विभाग के वरिष्ठतम आचार्य प्रो. अम्बिकादत्त शर्मा के कर कमलों द्वारा पुष्पगुच्छ देकर किया गया। कार्यक्रम के संचालक एवं विभागाध्यक्ष ने दर्शन के अध्ययन-अध्यापन के कौशल की आवश्यकता पर प्रकाश डाला और कहा कि दर्शन की सीधी भूमिका हमारी समझ को बढ़ाने में है। प्रो. अम्बिकादत्त शर्मा ने दर्शन विभाग के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 18 जुलाई 1946 को विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ ही इस विभाग की स्थापना हुई थी। उन्होंने कहा कि डॉ. हरीसिंह गौर जी की विश्वव्ख्यात पुस्तक 'बौद्ध धर्म की आत्मा' इस बात का प्रमाण है कि उनके मन में दर्शनशास्त्र विभाग के प्रति विशेष आग्रह था।

विश्वविद्यालय: सौ फलदार वृक्षों को तैयार करने के संकल्प के साथ निवेदिता कन्या छात्रावास में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित

दबंग बुंदेलखंड

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के निवेदिता कन्या छात्रावास, परिसर में हरित आवरण को बढ़ाने एवं छात्राओं के बीच पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। वृक्षारोपण अभियान पृथ्वी के पर्यावरण के पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखने के लिए एक बड़ी पहल है। निवेदिता कन्या छात्रावास में डॉ रश्मि सिंह मुख्य प्रतिपालिका, डॉ. सुषमा यादव प्रतिपालिका, डॉ. स्वेता शर्मा प्रतिपालिका, मैस एवं रखर खाव, डॉ. वंदना राजौरिया प्रतिपालिका, रानी लक्ष्मी बाई छात्रावास एवं सभी कर्मचारियों ने इस नेक काम में सहभागिता। छात्रावास में रहने वाली सभी छात्राओं ने भी विभिन्न प्रकार के फलदार एवं छायादार पौधों सहित फूलों के पौधों को लगाने में सक्रिय रूप से सहभागिता की।

सौ फलदार वृक्षों को तैयार करने के संकल्प के साथ पौधरोपण कार्यक्रम संपन्न

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के निवेदिता कन्या छात्रावास, परिसर में हरित आवरण को बढ़ाने एवं छात्राओं के बीच पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पौधारोपण अभियान का आयोजन किया गया। पौधारोपण अभियान पृथ्वी के पर्यावरण के पारिस्थितिक संतुलन को बनाये रखने के लिये एक बड़ी पहल है। निवेदिता कन्या छात्रावास में डॉ. रश्मि सिंह मुख्य प्रतिपालिका, डॉ. सुषमा यादव, डॉ. श्वेता शर्मा, डॉ. वंदना राजोरिया, रानी लक्ष्मी बाई छात्रावास एवं सभी कर्मचारियों ने इसमें सहभागिता। छात्रावास में रहने वाली सभी छात्राओं ने भी विभिन्न प्रकार के फलदार एवं छायादार पौधों सहित फूलों के पौधों को लगाने में सक्रिय रूप से सहभागिता की।

डॉ. गौर ने वृहत्तर समाज के कल्याण के लिए विश्वविद्यालय की स्थापना की थी: कुलपति

सागर | डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के 78वें स्थापना दिवस पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. हरीसिंह गौर की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की। विशिष्ट अतिथि पूर्णिया विश्वविद्यालय, बिहार के कुलपति एवं सागर विवि के पूर्व शिक्षक प्रो. आरएन यादव ने डॉ. गौर को नमन किया। कुलपति प्रो. गुप्ता ने कहा डॉ. गौर द्वारा स्थापित इस विश्वविद्यालय की कीर्ति पताका फहराने के लिए हम सब संकल्पित होकर कार्य करें। महान स्वप्नदृष्टा डॉ. गौर ने वृहत्तर समाज के कल्याण के लिए इस विश्वविद्यालय की स्थापना की थी। वे सौभाग्यशाली हैं और ऋणी हैं, जिनको यहां पढ़ने और कार्य करने का अवसर मिला है। इस दिवस पर यह संकल्प लें कि हम सब मिलकर डॉ. गौर के सपनों के अनुरूप इस विश्वविद्यालय के यश और कीर्ति में सतत वृद्धि के लिए कार्य करें। पुष्पांजलि कार्यक्रम में विवि की कुलानुशासक प्रो. चंदा बेन, प्रभारी कुलसचिव डॉ. एसपी उपाध्याय, सुरक्षा अधिकारी डॉ. राजेन्द्र यादव, प्रो. आशीष वर्मा, प्रो. डीके नेमा, प्रो. एपी मिश्रा, प्रो. केकेएन शर्मा, प्रो. नवीन कानगो, प्रो. अजीत जायसवाल आदि मौजूद थे। उधर, एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत नैनो टेक्नोलॉजी भवन एवं कौटिल्य भवन परिसर से की गई। कुलपति प्रो. गुप्ता एवं विशिष्ट अतिथि प्रो. आरएन यादव ने पौधरोपण किया। कुलपति ने कहा कि सभी विद्यार्थी, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्य एक पौधा अपनी मां के नाम अवश्य लगाएं। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. डीके नेमा ने बताया विवि परिसर को हरा-भरा रखने के संकल्प के साथ यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

हम सब डॉ. गौर के ऋणी, उनके सपनों के अनुरूप कार्य करने का लें संकल्प- कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

परिहार गर्जना न्यूज। सागर. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के स्थापना दिवस 18 जुलाई के अवसर पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. हरीसिंह गौर की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की. विशिष्ट अतिथि पूर्णिया विश्वविद्यालय, बिहार के कुलपति प्रो. आर. एन. यादव ने डॉ. गौर को नमन किया. विश्वविद्यालय स्थापना दिवस के अवसर पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने सभी को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए कहा कि डॉ. गौर द्वारा स्थापित इस विश्वविद्यालय की कीर्ति पताका फहराने के लिए हम सब संकल्पित होकर कार्य करें. महान स्वप्नदृष्टा डॉ. गौर ने वृहत्तर समाज के कल्याण के लिए इस विश्वविद्यालय की स्थापना की थी. वे सौभाग्यशाली हैं और ऋणी हैं जिनको यहाँ पढ़ने और कार्य करने का अवसर मिला है. इस दिवस पर यह संकल्प लें कि हम सब मिलकर डॉ. गौर के सपनों के अनुरूप इस विश्वविद्यालय के यश और कीर्ति में सतत वृद्धि के लिए कार्य करें. पुष्पांजलि कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की कुलानुशासक प्रो. चंदा बेन, प्रभारी कुलसचिव डॉ. एस. पी. उपाध्याय, सुरक्षा अधिकारी डॉ. राजेन्द्र यादव, प्रो. आशीष वर्मा, प्रो. डी. के. नेमा, प्रो. ए.पी. मिश्रा, प्रो. के. के. एन. शर्मा, प्रो. नवीन कानगो, प्रो. अजीत जायसवाल सहित कई सेवानिवृत्त शिक्षकों, शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने गौर समाधि पर पुष्प अर्पित कर उनको नमन किया.

वृक्षों से मां जैसा स्नेह करें और उनकी सुरक्षा का भी पूरा ख्याल रखें: कुलपति

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के दिशा निर्देशों के क्रम में एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत नैनो टेक्नोलॉजी भवन एवं कौटिल्य भवन परिसर से की गई। इस अवसर पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के नेतृत्व में पौधारोपण अभियान का शुभारंभ हुआ। कुलपति प्रो. गुप्ता एवं विशिष्ट अतिथि प्रो. आरएन यादव ने पौधारोपण किया। कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि सभी विद्यार्थी, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं विवि परिवार के सभी सदस्य एक वृक्ष अपनी मां के नाम अवश्य लगाये और साथ ही उन वृक्षों से मां जैसा स्नेह करें और उनकी सुरक्षा का भी पूरा ख्याल रखें। पर्यावरण सुरक्षा हम सभी का दायित्व है और यह तभी संभव हैं जब हम वृक्षों का संरक्षण करेंगे। यदि हम उनकी रक्षा करेंगे तभी हम सबका अस्तित्व बना रहेगा। हमारा विश्वविद्यालय परिसर हरियाली में समृद्ध है लेकिन हम सब मिलकर इसे और अधिक हरा भरा और प्रदूषण रहित बनायें। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. डीके नेमा ने बताया कि सम्पूर्ण विवि परिसर को अधिक से अधिक हरा भरा रखने के संकल्प के साथ यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। इस अवसर पर विवि के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी उपस्थित थे। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने भी इस अभियान में हिस्सा लिया। कई विभागीय परिसरों में पौधारोपण किया गया।

स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में किया वृक्षारोपण

सागर, आचरण। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय स्थापना दिवस के उपलक्ष्य पर दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा विभागीय परिसर में वृक्षारोपण किया गया। इस कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार तिवारी सहित विभाग के शिक्षक, छात्र और कर्मचारियों ने भाग लिया। वृक्षारोपण गवेषणा संस्थान के अध्यक्ष मनोहरलाल चौरसिया के सौजन्य से किया गया।

शारीरिक शिक्षा विभाग में भी 'एक पेड़ माँ के नाम' के अन्तर्गत वृक्षारोपण किया गया, जिसमें विभाग के सभी अधिकारी कर्मचारियों ने पौधारोपण किया। कार्यक्रम के अन्तग में सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार जताया गया। विदित हो कि पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के आवाह 'एक पेड़ माँ के नाम' के अन्तर्गत विश्वविद्यालय में लगातार वृक्षारोपण किया जा रहा है।

आचार्य शंकर भवन प्रांगण में फलदार व छायादार पौधे लगाए

सागर @ पत्रिका. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के आचार्य शंकर भवन प्रांगण में गुरुवार को पौधरोपण हुआ। जिला आयुष अधिकारी डॉक्टर जोगेंद्र सिंह ठाकुर एवं कुलपति प्रो. नीलीमा गुप्ता के निर्देशन में पौधरोपण किया। फलदार एवं छायादार पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर प्रॉक्टर प्रो. चंद्रा बेन, प्रो. दिवाकर राजपूत, प्रो. आनंद त्रिपाठी, डॉ. वीरेंद्र सिंह मत्सेनिया, डॉ. पारुल सारस्वत, डॉ. हिमानी, डॉ. अनुभा जैन, डॉ. प्रगति, संदीप प्रजापति, संदीप जाट, नरेश विश्वकर्मा, सुनील कुमार सोनी एवं मनोज विश्वकर्मा आदि मौजूद रहे।

विवि में ऑनलाइन कार्यशाला के पोस्टर का हुआ विमोचन

सागर @ पत्रिका. डॉ. हरिसिंह गौर विवि में सामान्य एवं व्यावहारिक भूगोल विभाग द्वारा 07 से 13 अगस्त के मध्य रिसर्च इन अप्लाइड एंड सोशल साइंस एप्रोचेस एवं एक्सपीरियंस एंड लर्निंग विषय पर एक ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस ऑनलाइन कार्यशाला के पोस्टर का विमोचन विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा किया गया।

बैठक में समर स्किल कार्यक्रमों पर समिति द्वारा तैयार किए गये प्रगति प्रतिवेदन की समीक्षा की गई। इस कार्यक्रमों देश के पूर्वोत्तर राज्यों केरल, तमिलनाडू एवं कर्नाटक सहित देश के 11 राज्यों के सहभागियों ने भाग लिया। विश्वविद्यालय ने रिमोट सेंसिंग, एमएस ऑफिस एवं वीडियो एडिटिंग, फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी और संगीत में बांसुरी वादन के कौशल कोर्स आयोजित किए थे। बैठक में प्रो. नवीन कांगो, प्रो. पंकज तिवारी, डॉ. विवेकबी साठे, डॉ. राकेश सोनी, डॉ. विवेक जायसवाल, डॉ. अभिषेक बंसल, डॉ. रूपेन्द्र चौरसिया एवं डॉ. सुमन पटेल आदि भी उपस्थित रहे।

उच्च शिक्षा स्पेन के यूरोपिया विश्वविद्यालय से हुई अकादमिक एवं शोध साझेदारी पर सार्थक चर्चा

केंद्रीय विवि में शुरू होगी स्पेनिश भाषा की पढ़ाई

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर:

डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में शीघ्र ही स्पेनिश भाषा की पढ़ाई प्रारंभ होगी। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की अध्यक्षता में मैड्रिड स्थित यूरोपिया विश्वविद्यालय से हुई आनलाइन बैठक में स्पेनिश भाषा के आनलाइन प्रारंभिक पाठ्यक्रम शुरू करने को लेकर चर्चा हुई। इस पाठ्यक्रम की अवधि तीन से छह महीने तक होगी, जिसे विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय सेल और अंग्रेजी एवं अन्य यूरोपियन भाषा विभाग के संयुक्त प्रयास से संचालित किया जाएगा।

केंद्रीय विवि में स्पेन भाषा की पढ़ाई के संबंध में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने आवश्यक निर्देश दिए। • नवदुनिया

इस पाठ्यक्रम में विद्यार्थी एवं शिक्षक दोनों ही प्रवेश ले सकेंगे। शीघ्र ही पाठ्यक्रम से संबंधित विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके अतिरिक्त यूजी, पीजी एवं पी-एचडी पाठ्यक्रमों को ट्विनिंग प्रोग्राम एवं ज्वाइंट प्रोग्राम के तहत संचालन पर भी चर्चा की गई जिसमें यूरोपिया विश्वविद्यालय ने अपनी सहमति दी है।

स्पेन के 18 से अधिक विश्वविद्यालय संपर्क में

विश्वविद्यालय के इंटरनेश्नल सेल की बैठक में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने हाल ही में संपन्न हुए स्पेन के अकादमिक भ्रमण से जुड़े अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण की दिशा में विश्वविद्यालय आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि स्पेन के 18 से अधिक विश्वविद्यालय संपर्क में हैं और इंटरनेश्नल सेल के माध्यम से इन सभी विश्वविद्यालयों से चर्चा करते हुए अकादमिक एवं शोध साझेदारी के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि विवि की कुलपति के रूप में उन्होंने हाल ही में नेपाल, ताइवान, जर्मनी के विवि का भी शैक्षणिक भ्रमण किया गया है। वहां के भी विश्वविद्यालयों से भी संपर्क स्थापित कर अकादमिक एवं शोध साझेदारी के प्रयास किए जाएंगे। बैठक में इंटरनेशनल सेल के चेयरमैन प्रो. हेरेल थामस, प्रो. बीआई गुरु, प्रो. यूके पाटिल, प्रो. एके सिंह, प्रो. डीसी मेश्राम, डा. विवेक मालवीय, डा. पुष्पल घोष, डा. वंदना विनायक, उपकुलसचिव सतीश कुमार, मीडिया अधिकारी डा. विवेक जायसवाल उपस्थित थे।

इसके अलावा स्पेन के विश्वविद्यालयों से विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग, बायोलाजिकल साइंस, अर्थ साइंस, फोरेंसिक साइंस जैसे कई विभागों के माध्यम से अकादमिक एवं शोध साझेदारी स्थापित की जाएगी।

कुलपति ने विश्वविद्यालय के युवक हॉस्टल के ब्रोशर का लोकार्पण किया

सागर | डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के युवक छात्रावास के ब्रोशर का लोकार्पण कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने किया। इस अवसर पर उन्होंने ब्रोशर का अवलोकन किया और उसमें उपलब्ध कराई गई सूचनाओं के प्रति संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि छात्रावास का यह ब्रोशर छात्रावास का आईना बनेगा। इस अवसर पर कुलसाचिव डॉ. सत्य प्रकाश उपाध्याय, डॉ. राकेश सोनी, डॉ. बबलू राय, डॉ, गौतम प्रसाद, डॉ. आशुतोष, डॉ. अरविंद गौतम, डॉ. वीरेंद्र मटसानिया, डॉ. नीरज उपाध्याय, डॉ. अभिज्ञान द्विवेदी और प्रवीण राठौर उपस्थित रहे।

शुगर, कैंसर जैसी बीमारी होंगी कम डॉ. हरीसिंह गौर विवि के बायोटेक्नोलॉजी विभाग के शोधकर्ताओं ने विकसित किया

इको-फ्रेंडली: जैविक नैनो कीटनाशक खेती को देगा नई दिशा

रेशु जैन
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विवि के बायोटेक्नोलॉजी विभाग के शोधकर्ताओं ने जैविक नैनो कीटनाशक विकसित कर लिया है। यह जैविक नैनो कीटनाशक चार वर्षों की मेहनत के बाद बनाया है। अगर सरकार की ओर से सहायता मिलती है तो इसे जल्द ही नैनो यूरिया की तरह बाजार में उतारा जा सकता है। जिसका मूल्य रसायनिक पेस्टीसाइड की तुलना में लगभग तीन से चार गुना कम होगा। खास बात यह है कि खेती में इसका इस्तेमाल करके पानी में घुलनशीलता और जैव उपलब्धता को बढ़ा सकते हैं। फसलों में रोग, खरपतवार और कीटों के नियंत्रण में क्रांतिकारी बदलाव ला सकते हैं। इस कीटनाशक के संश्लेषण में टेरपिनोल लोडेड जीन (प्रोटीन) नैनोकणों का उपयोग किया जाता है। जीन नैनो कणों के भीतर टेरपिनोल का एनकैप्सुलेशन सब्जी की फसल को सुरक्षा देता है। साथ ही पर्यावरण प्रदूषण को भी कम करता है। वहीं इसके इस्तेमाल से सिंथेटिक रासायनिक कीटनाशकों का प्रयोग खेती में कम हो जाएगा। शुगर, कैंसर और हाई ब्लड प्रेशर जैसी बीमारी भी कम हो जाएंगी।

इस परियोजना के निदेशक डॉ. चंद्रमा प्रकाश उपाध्याय ने बताया कि हमारा लक्ष्य है कि हम नैनो प्रौद्योगिकी के प्रयोग के माध्यम से किसानों को पर्यावरण के अनुकूल विकल्प प्रदान कर सकें। उन्होंने बताया कि किसान सब्जियों की फसलों में हानिकारक रोगजनकों को नियंत्रित करने के लिए सिंथेटिक रासायनिक कीटनाशकों का बड़े पैमाने पर उपयोग करते हैं। ये रसायन मानव स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हैं। विशेष रूप से किसानों को इन कीटनाशकों के दुष्प्रभावों का सामना करना पड़ता है, जो उपभोक्ताओं द्वारा भोजन के दुष्प्रभावों से कहीं अधिक होता है। सिंथेटिक कीटनाशकों के प्रतिकूल प्रभावों पर बहुत से शोध हुए हैं जिसमें कैंसर और तंत्रिका संबंधी विकार जैसी स्वास्थ्य समस्याएं शामिल हैं।

- सब्जियों को खराब होने से बचाएगा, खरपतवार और कीटों का करेगा खात्मा
- फसलों में उपयोग करने से शुगर, कैंसर और हाई ब्लडप्रेशर जैसी बीमारियां होंगी दूर

ऐसे किया शोध

बायोटेक्नोलॉजी विभाग के सहायक प्रो. डॉ चंद्रमा प्रकाश उपाध्याय के निर्देशन में पीएचडी शोधार्थी अभिषेक पाठक नवीन अत्याधुनिक नैनो तकनीक का उपयोग किया। जिसमें आशाजनक परिणाम मिले हैं। नैनो कीटनाशक की संश्लेषण की प्रक्रिया कठिन है, लेकिन विभिन्न परीक्षणों और प्रयोगों के कारण वैज्ञानिक इस नैनो कीटनाशक का एक सरल और सस्ता फॉर्मूला बनाया। जो कृषि क्षेत्र में उपयोग के लिए प्रभावी है। इसका प्रयोग करने के बाद आलू और टमाटर जैसी अन्य सब्जियों में कम संक्रमण पाया गया है। कृषि में नैनोपेस्टीसाइड तकनीक से फसल की उपज में वृद्धि भी दिखाई दी है।

विवि के छात्रावास में शुरू हुआ देशभर के विद्यार्थियों का प्रवेश

विवि के छात्रावास में नए विद्यार्थियों का प्रवेश शुरू हो गया है ।● नवदुनिया

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागरः डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित होने के साथ ही नया शिक्षण सत्र भी शुरू हो गया है।देश के कई स्थानों से आने वाले विद्यार्थी विवि में नियमित कक्षाओं के लिए छात्रावास और किराए के मकान में रहने लगे हैं। विवि युवक छात्रावास में नए सत्र के लिए विद्यार्थियों को रूम आवंटन की प्रक्रिया भी विधिवत प्रारंभ कर दी गई है। चीफ वार्डन प्रो. रत्नेश दास ने मां सरस्वती एवं कुलपिता डॉ. सर हरीसिंह गौर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया और नव प्रवेशित छात्रों को मिष्ठान खिलाकर कर छात्रावास में प्रवेश दिलाया। उन्होंने छात्रों के श्रेष्ठतम अकादमिक और छात्रावासी जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं। छात्रावास कार्यालय के कर्मचारियों ने भी प्रो. रत्नेश दास को भी मिष्ठान खिलाकर हर्ष व्यक्त किया। छात्रावास में शुरू हुई इस नयी और मंगलमयी परंपरा से दूरवर्ती अंचलों से आए विद्यार्थियों ने प्रसन्नता व्यक्त की।

पश्चिम बंगाल के विद्यार्थी ने कहा ऐसा लगा जैसे घर आ गया हूं: सबसे पहले प्रवेश लेने वाले पश्चिम बंगाल के दिव्यांग छात्र शरीफुल मण्डल ने कहा कि मुख्य प्रतिपालक ने जिस तरह से मिठाई खिलाकर मुझे कक्ष आवंटित किया इससे लग रहा है कि मैं अपने नये घर में आ गया हूं। छात्रावास में शुरू की गयी इस मंगल परम्परा के प्रति उत्साहित दिखा। इस अवसर डा. आशुतोष, सुनील दुबे, सत्यनारायण सारथी, रामशरण सिंह, रामकिसुन, अनीस और नए विद्यार्थियों में नितेश कुमार, भुवनेश कुमार, दिव्यांशु सरोज, रितिक कुमार, यश राज आदि उपस्थित थे।

स्वास्थ्य केंद्र परिसर में रोपे पौधे

सागर @ पत्रिका. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य केंद्र परिसर में पौधरोपण किया गया। इस दौरान आम, अमरूद, नीम, केला, मीठी नीम, गुड़हल, जामुन, बेल, हरसिंगार, गुलाब, बेला, चंपा, चमेली आदि विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए गए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिषेक जैन ने बताया कि प्रत्येक वर्ष मानसून अवधि में विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा पौधरोपण किया जाएगा। कार्यक्रम में डॉ. किरण, डॉ. भूपेंद्र, अरुण, श्वेता तेजस, देवांशी जैन, विनोद, भगत, राजेंद्र, जयप्रकाश और कमलाबाई आदि उपस्थित रहे।

योग और ध्यान से मनुष्य आत्मबल की पहचान करता है : कुलपति

महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय छतरपुर (म.प्र.)
(राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में)
"शिक्षा में आध्या ता" विषय पर

महाराजा छत्रसाल विवि में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। • नवदुनिया

- महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विवि में दो दिवसीय कार्यशाला हुई

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : उच्च शिक्षा विभाग एवं मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में भारतीय ज्ञान परंपरा पर केंद्रित शिक्षा में आध्यात्मिकता विषय पर महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता ने अपने उद्बोधन में शिक्षा में आध्यात्मिकता की आवश्यकता एवं महत्त्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ मस्तिष्क के निर्माण के लिए शिक्षा में आध्यात्मिकता की आवश्यकता है। अध्यात्म एवं ध्यान एक-दूसरे के पूरक हैं। अध्यात्म हमें समाज से जोड़ना सिखाता है, तो वहीं ध्यान हमें एकाग्रता की ओर ले जाता है। छात्रों के चरित्र निर्माण में दोनों का बहुत महत्व है। उन्होंने ध्यान के प्रभाव से आत्मबोध की वैज्ञानिक विधि की भी विस्तृत विवेचना की। उन्होंने यह भी कहा कि योग और ध्यान से मनुष्य अपने आत्मबल की पहचान करता है. उसकी आंतरिक शक्ति ही उसे कार्य करने की प्रेरणा और ऊर्जा देती है। उन्होंने कहा कि प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति में ध्यान एवं योग पाठ्यचर्या का अहम् हिस्सा थे। इसीलिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारतीय ज्ञान परंपरा को अत्यधिक महत्त्व दिया गया है।

हमारे विचार और सोच सकारात्मक होना ही आध्यात्मिकता है छतरपुर विवि की कुलगुरु प्रो. शुभा तिवारी ने कहा कि हमारे विचार और सोच सकारात्मक एवं शुद्ध होना ही आध्यात्मिकता है। आध्यात्मिक व्यक्ति कभी बोर नहीं होता, क्योंकि वह स्वयं के साथ रहना जनता है। मनुष्य के विचार ही उसके सच्चे साथी हैं। भावी पीढ़ी को संस्कारवान बनाने में पारंपरिक ज्ञान उपयोगी है। हिंदी ग्रन्थ अकादमी भोपाल के संचालक डा. अशोक कड़ेल ने कहा कि शिक्षा में भारतीयता का समावेश नई शिक्षा नीति ने किया है। व्यक्ति की कुशलता और क्षमता को बाहर लाना ही आध्यात्मिकता है। इस अवसर पर उज्जैन विश्वविद्यालय के प्रो. धर्मेंद्र मेहता मंचासीन थे।

पुस्तक व चित्र प्रदर्शनी का उदघाटन

कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कार्यशाला में हिंदी ग्रंथ अकादमी भोपाल के तत्त्वावधान में आयोजित पुस्तक प्रदर्शनी एवं विक्रय केंद्र तथा विश्वविद्यालय के चित्रकला विभाग द्वारा आयोजित चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया।

इस अवसर पर उन्होंने पौधारोपण भी किया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण प्रो. जेपी शाक्य ने दिया। संचालन प्रो. बीएस परमार एवं आभार प्रो. पुष्पा दुबे ने दिया। इस अवसर पर विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्राध्यापक, शोधार्थी, विद्यार्थी, विवि के अधिकारी उपस्थित थे।

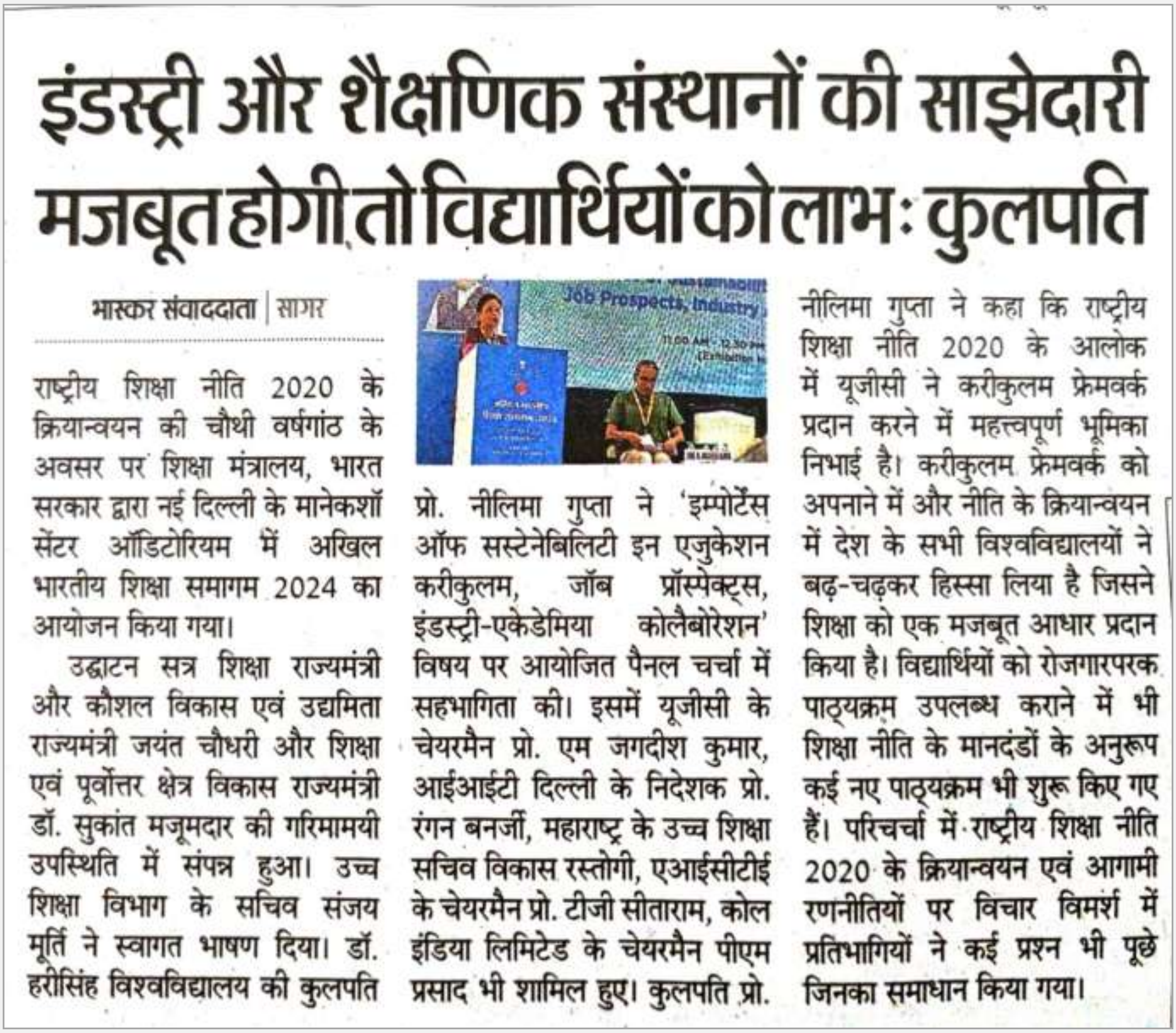

इंडस्ट्री और शैक्षणिक संस्थानों की साझेदारी मजबूत होगी तो विद्यार्थियों को लाभ: कुलपति

भास्कर संवाददाता | सागर

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन की चौथी वर्षगांठ के अवसर पर शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर ऑडिटोरियम में अखिल भारतीय शिक्षा समागम 2024 का आयोजन किया गया।

उद्घाटन सत्र शिक्षा राज्यमंत्री और कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्यमंत्री जयंत चौधरी और शिक्षा एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास राज्यमंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। उच्च शिक्षा विभाग के सचिव संजय मूर्ति ने स्वागत भाषण दिया। डॉ. हरीसिंह विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने 'इम्पोर्टेंस ऑफ सस्टेनेबिलिटी इन एजुकेशन करीकुलम, जॉब प्रॉस्पेक्ट्स, इंडस्ट्री-एकेडेमिया कोलैबोरेशन' विषय पर आयोजित पैनल चर्चा में सहभागिता की। इसमें यूजीसी के चेयरमैन प्रो. एम जगदीश कुमार, आईआईटी दिल्ली के निदेशक प्रो. रंगन बनर्जी, महाराष्ट्र के उच्च शिक्षा सचिव विकास रस्तोगी, एआईसीटीई के चेयरमैन प्रो. टीजी सीताराम, कोल इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन पीएम प्रसाद भी शामिल हुए। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में यूजीसी ने करीकुलम फ्रेमवर्क प्रदान करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। करीकुलम फ्रेमवर्क को अपनाने में और नीति के क्रियान्वयन में देश के सभी विश्वविद्यालयों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है जिसने शिक्षा को एक मजबूत आधार प्रदान किया है। विद्यार्थियों को रोजगारपरक पाठ्यक्रम उपलब्ध कराने में भी शिक्षा नीति के मानदंडों के अनुरूप कई नए पाठ्यक्रम भी शुरू किए गए हैं। परिचर्चा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन एवं आगामी रणनीतियों पर विचार विमर्श में प्रतिभागियों ने कई प्रश्न भी पूछे जिनका समाधान किया गया।